■ भाद्रपद कृष्णा - 14 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 52 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 13-09-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

ओडिशाः राउरकेला को दुर्गा पूजा से पहले 'रेलवे कोच रेस्तरां मिलेगा

राउरकेला (ओडिशा)/भाषा। पश्चिमी ओडिशा के राउरकेला शहर के लोगों को जल्द ही रेलवे कोच पर एक रेस्तरां में भोजन करने का अवसर मिलेगा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

राउरकेला रेलवे स्टेशन के प्रबंधक प्रभात दास ने कहा कि रेस्तरां को आम लोगों के लिए दुर्गा पूजा से पहले शुरू किया जाएगा। यह कोलकाता स्थित एक कंपनी की पहल है। रेस्तरां व्यस्त रेलवे स्टेशन के उत्तरी छोर पर दूसरे दरवाजे के पास चालू होगा। दूसरे दरवाजे को इसलिए चुना गया क्योंकि पहले दरवाजे या मुख्य प्रवेश द्वार से लगे प्लेटफॉर्म संख्या एक पर कई रेस्तरां और भोजनालय हैं। एक यात्री सत्या दास ने बताया कि उन्हें खुशी है कि स्टेशन पर ऐसा अनोखा रेस्तरां बनने जा रहा है। इससे हम जैसे लोगों को फायदा होगा। मुझे उम्मीद है कि इससे किफायती दर पर अच्छा खाना मिलेगा। दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा ने हाल ही में राउरकेला दौरे पर कहा था कि 400 करोड़ रुपए की लागत वाली एक परियोजना के तहत राउरकेला रेलवे स्टेशन का कायाकल्प किया जाएगा।

जी20 शिखर सम्मेलन में शामिल होने आए नेताओं को उपहार में हस्तनिर्मित कलाकृतियां उपहार में दी गईं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन में शामिल होने आए दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्षों और अन्य नेताओं को हस्तनिर्मित कलाकृतियों और उत्पादों के विशेष रूप से तैयार संग्रह उपहार में दिए गए, जो भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं को दर्शाता है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कुछ उपहार देश के कुशल कारीगरों द्वारा सावधानीपूर्वक हाथ से तैयार किए गए थे। उन्होंने कहा कि उपहार में दी गई वस्तुओं में कश्मीर के केसर, पेको दार्जिलिंग और नीलगिरि चाय, अराकू कॉफी, कश्मीरी पश्मीना शॉल, सुंदरबन मल्टीफ्लोरा मैंग्रोव शहद और उत्तर प्रदेश के कन्नौज के जिघराना इत्र शामिल हैं।

राष्ट्रीय राजधानी स्थित प्रगति मैदान के नवनिर्मित भारत मंडपम में नौ से दस सितंबर तक जी20 शिखर सम्मेलन का आयोजन हुआ था।

इसमें अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों सहित विश्व के कई अन्य नेताओं ने हिस्सा लिया था। अधिकारियों ने कहा कि भारत सरकार ने विभिन्न देशों से आए नेताओं को हस्तनिर्मित कलाकृतियों और उत्पादों के विशेष रूप से तैयार संग्रह उपहार में दिए, जो भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं के बारे में बताता है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, उन्हें उपहार में दिए गए कुछ उत्पाद सदियों पुरानी परंपरा के हैं और अपनी अद्वितीय कारीगरी और गुणवत्ता के लिए दुनिया भर में पसंद किए जाते हैं।

मणिपुरः 23 भाजपा विधायकों ने राज्य की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा का संकल्प लिया

इंफाल/भाषा। मणिपुर में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 23 विधायकों ने एक प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए है, जिसमें हिंसाग्रस्त राज्य की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करने का संकल्प लिया गया है।

विधायकों ने यह भी संकल्प लिया कि वे जल्द से जल्द दिल्ली जाएंगे ताकि वर्तमान संकट का जल्द से जल्द समाधान करने के लिए केंद्रीय नेतृत्व को राजी किया जा सके। दिलचस्प बात यह है कि मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह हस्ताक्षरकर्ताओं में शामिल नहीं हैं।

संकल्प में हस्ताक्षर करने वाले नेताओं ने नवगठित नागरिक समाज संगठन 'यूथ ऑफ मणिपुर' (वाईओएम) के सदस्यों के साथ सोमवार रात मुख्यमंत्री सचिवालय में बैठक के बाद बताया कि कुकी-जो समुदाय की एक अलग प्रशासन की मांग उन्हें स्वीकार्य नहीं है।

प्रस्ताव में कहा गया, ''विधानसभा के सभी अधोहस्ताक्षरी सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया है कि हम मणिपुर राज्य की क्षेत्रीय अखंडता के लिए खड़े रहेंगे और किसी भी प्रकार के अलग प्रशासन पर सहमत नहीं होंगे।

विमान की तकनीकी खराबी ठीक होने के बाद पीएम ट्रूडो और प्रतिनिधिमंडल स्वदेश रवाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और उनका प्रतिनिधिमंडल उनके विमान में आई तकनीकी खराबी ठीक कर दिए जाने के बाद मंगलवार अपराह्न यहां से रवाना हो गए।

शुक्रवार को दिल्ली पहुंचे ट्रूडो को रविवार को रवाना होना था, लेकिन विमान में तकनीकी समस्या के कारण वह दो दिनों तक फंसे रहे। मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने बताया कि विमान ने आज अपराह्न करीब एक बजकर 10 मिनट पर उड़ान भरी। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ट्रूडो को विदा करने के लिए हवाईअड्डे पर मौजूद थे। मंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्वीटर) पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी और सरकार में मेरे सहयोगियों की ओर से, मैं कनाडा के माननीय प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को जी20 शिखर सम्मेलन में उनकी उपस्थिति के लिए धन्यवाद देने के वास्ते आज हवाई अड्डे पर था और उन्हें तथा उनके प्रतिनिधिमंडल को सुरक्षित घर वापसी की शुभकामनाएं दीं।

उद्यमिता, कौशल विकास, इलेक्ट्रॉनिक्स और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री ने ट्रूडो के साथ अपनी एक तस्वीर भी साझा की।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि विमान को उड़ान भरने की मंजूरी दे दी गई है।

बंगालः प्रदर्शनकारी भाजपा कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय मंत्री सुभाष सरकार को पार्टी कार्यालय में बंद कर दिया

बांकुड़ा (पश्चिम बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को केंद्रीय मंत्री सुभाष सरकार को पार्टी कार्यालय में बंद कर दिया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि सरकार जिला इकाई के संचालन में 'तानाशाही' कर रहे हैं। शिक्षा राज्य मंत्री एवं बांकुड़ा के सांसद सरकार अपराह्न करीब 1 बजे एक बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे, तभी भाजपा कार्यकर्ताओं का एक समूह नारे लगाते हुए पार्टी के जिला कार्यालय पहुंचा और उन्हें बंद कर दिया।

प्रदर्शनकारियों में से एक मोहित शर्मा ने आरोप लगाया कि सरकार समर्पित पार्टी कार्यकर्ताओं को महत्व नहीं दे रहे हैं और अपने करीबी लोगों को जिला समिति का सदस्य बना रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, हममें से कुछ को कारण बताओ नोटिस दिया गया है। हम पार्टी को बचाने के लिए विरोध कर रहे हैं। इस बार, उनकी अक्षमता के कारण भाजपा को बांकुड़ा नगरपालिका में एक भी सीट नहीं मिली, जबकि पिछले चुनाव में दो वार्ड में जीत मिली थी। वे पंचायत की कई सीट पर उम्मीदवार नहीं उतार सके। यह शर्म की बात है। अफरा-तफरी के बीच भाजपा कार्यकर्ताओं का एक और समूह मौके पर पहुंच गया, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच हाथापाई शुरू हो गई।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया पुलिस का एक बड़ा दल पार्टी कार्यालय पहुंचा और सरकार को वहां से निकाला गया। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता समिक भट्टाचार्य ने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा, भाजपा जैसी अनुशासित पार्टी में ऐसी घटनाएं अस्वीकार्य हैं। अगर कोई शिकायत है, तो उसे उठाने के लिए उचित मंच है। इस घटना में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, सरकार से इस मामले में उनका पक्ष जानने के लिए संपर्क नहीं हो सका।

बेखौफ बदमाशों ने कैश वैन के गार्ड की हत्या कर लूटा नकदी भरा बक्सा

मिर्जापुर (उप्र)/भाषा। मिर्जापुर जिले के कटरा क्षेत्र में मंगलवार दोपहर बेखौफ लुटेरों ने एक बैंक की कैश वैन के गार्ड की गोली मारकर हत्या कर दी और नकदी से भरा बक्सा लेकर भाग गए। पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने बताया कि वैन नकदी लेकर कटरा कोतवाली क्षेत्र के बदली कटरा इलाके में स्थित एक बैंक के बाहर रुकी थी। तभी दो मोटरसाइकिलों पर आए चार हथियारबंद लुटेरों ने बैंक कर्मियों से नकदी बॉक्स छीनकर भागने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि कैश वैन के गार्ड जय सिंह (42) ने लुटेरों को पकड़ने की कोशिश की तो उन्होंने उसे गोली मार दी और नकदी भरा बक्सा लेकर भाग गए। अभिनंदन के मुताबिक, गम्भीर रूप से घायल सिंह को अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि बदमाशों की गोली लगने से तीन अन्य बैंक कर्मी भी जख्मी हुए हैं जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर वरिष्ठ पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे।

नगालैंड विधानसभा ने यूसीसी से छूट के लिए प्रस्ताव पारित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोहिमा/भाषा। नगालैंड विधानसभा ने मंगलवार को सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर राज्य को प्रस्तावित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के दायरे से अलग रखे जाने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो ने सदन के मानसून सत्र के दूसरे दिन यह प्रस्ताव पेश किया। उन्होंने कहा, नगालैंड सरकार और नगा लोगों का मानना है कि यूसीसी से नगा लोगों के रस्मी कानूनों, सामाजिक प्रथाओं और

उनकी धार्मिक प्रथाओं के लिए खतरा पैदा होगा। उन्होंने कहा कि यूसीसी का स्पष्ट उद्देश्य विवाह और तलाक, अभिरक्षा और अभिभावकत्व जैसे व्यक्तिगत मामलों के संबंध में एक समान कानून बनाना है। रियो ने कहा कि नगालैंड सरकार ने मंत्रिमंडल के एक निर्णय के माध्यम से चार जुलाई को संबंधित आयोग को इस विषय पर अपने विचार से अवगत कराया और स्वतंत्रता-पूर्व ब्रिटिश काल के बाद से नगालैंड के 'अद्वितीय इतिहास' के आधार पर अपना विरोध व्यक्त किया।

उन्होंने यह भी जिक्र किया कि यूसीसी विषय पर चर्चा के लिए एक सितंबर को राज्य सरकार द्वारा विभिन्न हितधारकों के साथ आयोजित बैठक में कई जनजातीय संगठनों और नागरिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने यूसीसी के संबंध में अपनी नाराजगी और आपत्ति व्यक्त की थी।

जश्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सोमवार रात पटना में एशिया कप क्रिकेट मैच में भारत द्वारा पाकिस्तान को हराने के बाद जश्न मनाते लोग।

कांग्रेस का भाजपा पर पलटवार

हमें सनातन पर 'ढोंगियों' से प्रमाणपत्र की आवश्यकता नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के कुछ नेताओं द्वारा सनातन धर्म को लेकर की गई टिप्पणियों की पृष्ठभूमि में भारतीय जनता पार्टी के विपक्ष पर हमले को लेकर पलटवार करते हुए मंगलवार को कहा कि उसे सनातन और राष्ट्रवाद पर 'ढोंगियों' से प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं है। पार्टी प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने यह भी कहा कि कांग्रेस सर्वधर्म समभाव में विश्वास करती है।

इससे पहले, भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने आरोप लगाया कि वोट बैंक की राजनीति के लिए सनातन धर्म पर हमला विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) का गुप्त एजेंडा है।

प्रसाद ने कांग्रेस नेतृत्व पर भी निशाना साधा और कहा कि सोनिया गांधी इस मामले पर अगर चुप्पी साधे रहेंगी तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि सनातन धर्म का विरोध करना 'इंडिया' के न्यूनतम साझा

कार्यक्रम का हिस्सा है।

भाजपा के इस प्रहार के बारे में पूछे जाने पर सुप्रिया श्रीनेत ने संवाददाताओं से कहा, भाजपा से हमें राष्ट्रवाद, सनातन धर्म और आजादी के आंदोलन में योगदान पर प्रमाणपत्र नहीं चाहिए क्योंकि इन सब पर उसका स्कोर निल बटे सन्नाटा है। कांग्रेस सर्वधर्म समभाव में विश्वास करती है। उन्होंने यह भी कहा, हमें किसी से भी, खासतौर पर ढोंगियों से प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं है।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की एक टिप्पणी से जुड़े सवाल पर कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि सनातन धर्म में इस तरह की भाषा और आचरण की उम्मीद नहीं की जाती।

'इंडिया' की समन्वय समिति की पहली बैठक में सीट के तालमेल, चुनाव अभियान पर चर्चा संभव

नई दिल्ली/भाषा। विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) की 14-सदस्यीय समन्वय समिति की बुधवार को पहली बैठक होगी, जिसमें आगे की रणनीति, सीटों के तालमेल, चुनाव अभियान कार्यक्रम और जनसभाओं पर चर्चा होने की संभावना है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार के नई दिल्ली स्थित आवास पर यह बैठक होगी।

सूत्रों ने बताया कि बैठक में रणनीति-चुनाव अभियान कार्यक्रमों के अलावा सीटों के तालमेल पर भी चर्चा संभव है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता मनोज झा ने कहा था कि समन्वय समिति की पहली बैठक आगे के चुनाव अभियान और जनसभाओं के कार्यक्रम तय करने पर केंद्रित होगी। अगले लोकसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का मुकाबला करने के लिए दो दर्जन से अधिक विपक्षी दलों ने 'इंडिया' का गठन किया है। 'इंडिया' के घटक दलों के नेताओं की पिछले दिनों मुंबई में हुई बैठक में गठबंधन के भविष्य के कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने के लिए 14-सदस्यीय समन्वय समिति का गठन किया गया था।

संसद कर्मचारियों की नई वर्दी पर सिर्फ 'कमल' क्यों, बाघ और मोर क्यों नहींः कांग्रेस सांसद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने संसद के कर्मचारियों की नई वर्दी पर कमल के फूल छपे होने से संबंधित खबरों को लेकर सोमवार को आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) संसद को एकपक्षीय मंच बना रही है।

लोकसभा में कांग्रेस के सचेतक टैगोर ने यह सवाल भी किया कि राष्ट्रीय पशु और राष्ट्रीय पक्षी क्रमशः बाघ एवं मोर के बजाय सिर्फ 'कमल' को ही क्यों दर्शाया जा रहा है? उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, सिर्फ कमल ही क्यों? मोर क्यों नहीं या बाघ क्यों नहीं? यह भाजपा पार्टी का चुनाव चिह्न नहीं हैं। ओम बिरला जी, यह गिरावट क्यों?

खबरों में कहा गया है कि संसद के कर्मचारियों के लिए नई वर्दी होगी, जिस पर कमल के फूल

अंकित होंगे। टैगोर ने कहा, संसद के कर्मचारियों की वर्दी पर भाजपा का चुनाव चिह्न है...उन्होंने जी20 में भी ऐसा किया था। अब ये लोग फिर से ऐसा कर रहे हैं और कह रहे हैं कि यह राष्ट्रीय फूल है। उन्होंने कहा कि इस तरह का 'ओछापन' ठीक नहीं है और आशा है कि भाजपा इन सबसे ऊपर उठेगी और संसद को एकपक्षीय मंच नहीं बनाएगी। उन्होंने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। संसद सभी पार्टियों से ऊपर है। इससे पता चलता है कि भाजपा हर दूसरी संस्था में हस्तक्षेप कर रही है।

त्रिपुरा भाजपा के तफज्जल हुसैन, बिंदू देबनाथ ने विधायक पद की शपथ ली

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के बॉक्सानगर और धनपुर सीटों पर आठ सितंबर को हुए उपचुनाव में जीत दर्ज करने वाले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता तफज्जल हुसैन और बिंदू देबनाथ ने मंगलवार को त्रिपुरा विधानसभा सदस्य के रूप में शपथ ली।

विधानसभा अध्यक्ष विश्वबंधु सेन ने मुख्यमंत्री माणिक साहा और मंत्रिमंडल के उनके सहयोगियों की उपस्थिति में दोनों को शपथ दिलाई। इस दौरान विपक्षी दलों के विधायक शपथ ग्रहण समारोह से दूर रहें।

मुख्यमंत्री ने कहा, हमने बॉक्सानगर और धनपुर में उपचुनाव पुरी ताकत से लड़ा और दोनों सीटों पर व्यापक अंतर से जीत हासिल की। लोगों ने उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवारों को बड़े पैमाने पर वोट दिया है। मेरा मानना है कि नए विधायक लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करेंगे।

मंत्रिमंडल विस्तार से जुड़े सवाल पर साहा ने कहा, जब भी हम ऐसा कोई निर्णय लेंगे तो आप सभी को सूचित कर दिया जाएगा।

रोहित के वनडे में 10,000 रन पूरे, भारत के छठे और दुनिया के 15वें बल्लेबाज बने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलंबो/भाषा। रोहित शर्मा एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10,000 रन बनाने वाले भारत के छठे और दुनिया के 15वें बल्लेबाज बन गए हैं।

भारतीय कप्तान ने श्रीलंका के खिलाफ मंगलवार को एशिया कप सुपर चार मैच में अपना 22वां रन पूरा करते ही यह विशिष्ट उपलब्धि हासिल की। वह तेज गेंदबाज कासुन रजिता पर उनके सिर के ऊपर से छक्का जड़कर इस मुकाम पर पहुंचे। भारत की तरफ से रोहित से पहले सचिन तेंदुलकर (18,426 रन), विराट कोहली

(13,024), सौरव गांगुली (11,363), राहुल द्रविड़ (10,889) और महेंद्र सिंह धोनी (10,773) ने वनडे में 10,000 से अधिक रन बनाए थे। कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ सोमवार को अपनी 122 रन की पारी के दौरान वनडे में 13,000 रन पूरे किए थे। रोहित का यह 248वां वनडे मैच है और वह 241वीं पारी में 10,000 रन के मुकाम पर पहुंचे। केवल कोहली (205 पारी) ने ही उनसे कम पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। तेंदुलकर 259 पारियों में इस मुकाम पर पहुंचे थे। रोहित दुनिया के एकमात्र बल्लेबाज हैं जिन्होंने 50 ओवरों की क्रिकेट में तीन दोहरे शतक लगाए हैं। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ नवंबर 2014 में कोलकाता में 264 रन की पारी खेली थी जो वनडे में किसी बल्लेबाज का सर्वोच्च स्कोर है। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नवंबर 2013 में 209 रन और श्रीलंका के खिलाफ दिसंबर 2017 में नाबाद 208 रन बनाए थे। उन्होंने अब तक इस प्रारूप में 30 शतक लगाए हैं।

श्रेयस अय्यर को विश्राम की सलाह, श्रीलंका के खिलाफ मैच से भी बाहर

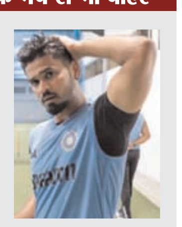

कोलंबो/भाषा। भारत के मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को पीठ में जकड़न के कारण विश्राम करने की सलाह दी गई है और उन्हें श्रीलंका के खिलाफ एशिया कप सुपर चार के मैच में भी अंतिम एकादश में शामिल नहीं किया गया है।अय्यर पीठ का ऑपरेशन करवाने के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं। वह पीठ में जकड़न के कारण पाकिस्तान के खिलाफ मैच में भी नहीं खेल पाए थे। लगातार दो मैच से बाहर रहने के कारण विश्वकप से पहले उनकी फिटनेस पर सवालिया निशान लग गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बयान में कहा, श्रेयस अय्यर अच्छा महसूस कर रहे हैं लेकिन वह पीठ की जकड़न से अभी तक पूरी तरह से नहीं उबर पाए हैं।

केंट के लिए काउंटी चैंपियनशिप में पदार्पण करते हुए चमके यजुवेंद्र चहल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

केंट (इंग्लैंड)/भाषा। भारतीय लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने केंट के साथ काउंटी चैंपियनशिप में अपने अभियान की प्रभावी शुरुआत करते हुए डिविजन एक मुकाबले में नॉटिंघमशर के खिलाफ तीन विकेट चटकाए। मौजूदा एशिया कप और आगामी विश्व कप के लिए भारतीय टीम से अनदेखी के बाद 33 साल के इस स्पिनर ने सोमवार को यहां चार दिवसीय मुकाबले के दूसरे दिन 20 ओवर में 52 रन देकर तीन विकेट चटकाए।

चहल ने नॉटिंघमशर के बल्लेबाजों मैथ्यू मोंटगोमरी, लिंडन जेम्स और कैविन हैरिसन को आउट किया जिससे केंट के 446 रन के जवाब में टीम ने 219 रन तक आठ विकेट गंवा दिए थे। चहल ने सबसे पहले अपनी लेग स्पिन पर जेम्स को बोल्ड किया। केंट ने इसी सत्र में भारत के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के

साथ भी करार किया था जिन्होंने पांच मैच में 13 विकेट चटकाए। चहल भारत की टी20 टीम के नियमित सदस्य हैं लेकिन इस साल जनवरी से एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले नहीं खेले हैं। वह भारतीय टीम की ओर से पिछली बार वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में खेले थे। इस लेग स्पिनर ने केंट की ओर से तीन काउंटी मुकाबले खेलने के लिए करार किया है। वह नॉटिंघमशर और लंकाशर के खिलाफ घरेलू मैदान पर दो मुकाबले खेलने के बाद समरसेट के खिलाफ उसकी सरजमीं पर खेलेंगे।

■ भाद्रपद कृष्णा - 14 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 52 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 13-09-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 जद (एस) के साथ गठबंधन पर केंद्रीय नेतृत्व करेगा फैसला : येडीयुरप्पा

6 जी-20 समेलन से विश्व बिरादरी में बढ़ी भारत की प्रतिष्ठा

7 300 करोड़ के लब में शामिल हुयी शाहरूख खान की फिल्म जवान

फर्स्ट टेक

मद्रास उच्च न्यायालय में पांच स्थायी न्यायाधीश नियुक्त

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मद्रास उच्च न्यायालय के पांच अतिरिक्त न्यायाधीशों को पदोन्नत कर स्थायी न्यायाधीश के पद पर नियुक्त किया है। केंद्रीय विधि एवं मंत्रालय के न्याय विभाग ने मंगलवार को एक अधिसूचना जारी कर न्यायाधीशों की नियुक्ति की घोषणा की। अधिसूचना के अनुसार, न्यायमूर्ति ए. ए. नक्कीरन, न्यायमूर्ति (सुश्री) निदुमोलू माला, न्यायमूर्ति एस. सौंथर, न्यायमूर्ति सुंदर मोहन और न्यायमूर्ति कबाली कुमारेश बाबू को मद्रास उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के पद से पदोन्नत कर इसी अदालत का स्थायी न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने 31 अगस्त को पांचों अतिरिक्त न्यायाधीशों को न्यायाधीश बनने की सिफारिश की थी।

पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन 15 सितम्बर तक

नई दिल्ली/वार्ता। कला, साहित्य एवं शिक्षा, खेल, चिकित्सा, सामाजिक कार्य, विज्ञान तथा इंजीनियरिंग, सार्वजनिक मामले, नागरिक सेवा, व्यापार और उद्योग आदि जैसे क्षेत्रों में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों के लिए दिये जाने वाले पद्म पुरस्कारों के वास्ते नामांकन या सिफारिशें 15 सितम्बर तक ऑनलाइन की जा सकती हैं। देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों में शामिल पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्मश्री की शुरूआत वर्ष 1954 में की गयी थी और इनकी घोषणा हर वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है। जाति, व्यवसाय, पद या लिंग के भेदभाव के बिना सभी व्यक्ति इन पुरस्कारों के लिए पात्र हैं। चिकित्सकों और वैज्ञानिकों को छोड़कर सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में कार्यरत सरकारी कर्मचारी पद्म पुरस्कार के लिए पात्र नहीं हैं।

लीबिया में बाढ़ के बाद नौ हजार से अधिक लोग लापता

बेंगाजी/वार्ता/स्पूतनिक। उत्तरी अफ्रीकी देश लीबिया के पूर्वी शहर डर्ना में बाढ़ के बाद नौ हजार से अधिक लोग लापता हैं। रेड क्रिसेंट आंदोलन के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पूर्वी लीबियाई सरकार के प्रधान मंत्री ओसामा हमद सोमवार को कहा था कि डर्ना में बाढ़ से मरने वालों की संख्या दो हजार से अधिक हो गई है। प्रवक्ता ने कहा, हमें अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता है। बाढ़ में नौ हजार से अधिक लोगों के लापता होने खबरें हैं। बड़े खोज अभियान की आवश्यकता है।'' वर्ष 2011 के विद्रोह के बाद से, जिसमें लंबे समय तक शासक मोअम्मर गद्दाफी को अपदस्थ कर दिया गया और बाद में उनकी हत्या कर दी गई, लीबिया में केंद्र सरकार का अभाव है और परिणामी अराजकता का मतलब देश की सड़कों और सार्वजनिक सेवाओं में निवेश में कमी और निजी भवन का न्यूनतम विनियमन भी है।

13-09-2023	14-09-2023
सूर्यास्त 6:11 बजे	सूर्योदय 5:57 बजे

BSE	NSE
67,221.13	19,993.20
(+94.05)	(-3.15)

सोना	चांदी
6,161 रु.	77,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बँटी मानवता

हिन्दू, क्रिश्चियन या मुसलमान,
अगड़े-पिछड़े का भेद हुआ।
कोई कुरान बाइबिल वाला,
रामायण, ग्रंथी, वेद हुआ।
बँट गया जातियों में मानव,
अपनी कारा में कैद हुआ।
रिस रही मनुजता की गागर,
उसके तल में अब छेद हुआ।।

कर्नाटक को कावेरी नदी का पानी छोड़ने का आदेश

भाजपा ने कांग्रेस को ठहराया जिम्मेदार

■ **जमीनी वास्तविकता का संज्ञान लेते हुए सीडब्ल्यूआरसी ने डिजिटल बैठक में दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद यह आदेश जारी किया।**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। कावेरी जल विनियमन समिति ने मंगलवार को कर्नाटक को अगले 15 दिनों तक तमिलनाडु के लिए प्रत्येक दिन 5,000 क्यूसेक पानी छोड़ने का आदेश दिया है। जमीनी वास्तविकता का संज्ञान लेते हुए सीडब्ल्यूआरसी ने डिजिटल बैठक में दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद यह आदेश जारी किया। सीडब्ल्यूआरसी ने 28 अगस्त को भी इसी तरह का आदेश जारी किया था, जिसमें कर्नाटक को अगले 15 दिनों तक प्रत्येक दिन तमिलनाडु के लिए कावेरी नदी का 5,000 क्यूसेक पानी छोड़ने के लिए कहा गया था।

आखिरकार, कर्नाटक सरकार ने एक अनुपालन रिपोर्ट दायर किया और तमिलनाडु के लिए पानी छोड़ना शुरू कर दिया। कर्नाटक के मंड्या जिले के किसानों ने इसका विरोध किया और कांग्रेस सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए तमिलनाडु के लिए पानी छोड़ना बंद करने की मांग की। इस आशंका को देखते हुए तमिलनाडु सरकार ने उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और कर्नाटक को उसके 2018 के आदेश के अनुसार पानी छोड़ने का निर्देश देने की मांग की।

इस बीच, भारतीय जनता पार्टी ने कर्नाटक सरकार द्वारा सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलने की योजना पर सवाल उठाया है, जबकि इसका समाधान उच्चतम न्यायालय या कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) के पास है। पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने बेंगलूरु में कहा कि कांग्रेस पार्टी राजनीति कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी से मिलने के लिए एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के बजाय, राज्य सरकार को शीर्ष अदालत या सीडब्ल्यूएमए में मजबूत तर्क देना चाहिए क्योंकि यह मामला सर्वोच्च न्यायालय द्वारा देखा जा रहा है, न कि केंद्र सरकार द्वारा। बोम्मई ने कहा कि कर्नाटक सरकार के पास दूसरा विकल्प है कि वह अपने गठबंधन में सहयोगी तमिलनाडु की द्रमुक सरकार से बातचीत करे और उसे जमीनी हकीकत से अवगत कराए। उन्होंने कहा कि वे न तो शीर्ष अदालत में मजबूती से अपना तर्क रख रहे हैं और न ही अपने गठबंधन सहयोगी द्रमुक के साथ बातचीत कर रहे हैं।

अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत

कर्नाटक में मंत्री सुधाकर के खिलाफ मामला दर्ज

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंत्री डी. सुधाकर और अन्य के खिलाफ अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। सुधाकर के खिलाफ यह मामला येलहंका में एक विवादित संपत्ति से एक परिवार को कथित रूप से जबरन बेदखल करने को लेकर दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता सुब्बम्मा के अनुसार मंत्री और अन्य लोग उनकी अनुपस्थिति में उनके घर आए और 09 सितंबर को एक अस्थायी शेड और परिसर को ध्वस्त कर दिया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जब उन्होंने मंत्री से उनकी अनुपस्थिति में संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के बारे में सवाल किया, तो उन्होंने उन पर जातिसूचक टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि संपत्ति को लेकर अदालत में मामला चल रहा है और वह सेवन हिल्स डेवलपर्स के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ रही हैं। उन्होंने मंत्री पर उनकी पुत्री आशा पर हमला करने का भी आरोप लगाया और पुलिस से अतिक्रमणकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और उन्हें साइट से बेदखल करने की अपील की। इस संबंध में एक वीडियो मंगलवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इस कथित वीडियो में मंत्री को विवादित भूमि पर जाने और गालियां देते हुए दिखाया गया है। पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा (आईपीसी) की कई अन्य धाराओं के तहत भी मामला दर्ज किया है।

चंद्रबाबू नायडू की नजरबंदी की याचिका खारिज

विजयवाड़ा (आंध्र प्रदेश)/भाषा। आंध्र प्रदेश में विजयवाड़ा की एक निचली अदालत ने करोड़ों रुपए के कथित घोटाले से संबंधित मामले में गिरफ्तार तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) के प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू की नजरबंदी की याचिका मंगलवार को खारिज कर दी। नायडू फिलहाल 14 दिन की न्यायिक हिरासत के अंतर्गत राजामहेंद्रवरम केंद्रीय कारागार में बंद हैं। नायडू के वकील जयकर मट्टा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि नजरबंदी का अनुरोध खारिज कर दिया गया। नायडू का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा के नेतृत्व में वकीलों की एक टीम ने खतरे की आशंका का हवाला देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री को घर में हिरासत में रखने के लिए सोमवार को एक याचिका दायर की थी।

गडकरी का स्पष्टीकरण

डीजल वाहन पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त कर लगाने का कोई प्रस्ताव नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को उत्सर्जन में कटौती में मदद के लिए डीजल वाहनों पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त कर लगाने की आवश्यकता की बात कही, लेकिन बाद में उन्होंने स्पष्ट किया कि इस तरह का कोई प्रस्ताव सरकार के समक्ष विचाराधीन नहीं है।

वाहन विनिर्माताओं के संगठन सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के 63वें वार्षिक सम्मेलन में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने कहा था कि बढ़ता प्रदूषण स्तर स्वास्थ्य के लिए चिंता का एक गंभीर विषय बन गया है और डीजल वाहनों की बिक्री को कम करने के लिए करों में बढ़ोतरी का मामला बनता है।

गडकरी ने संकेत दिया था कि इस मुद्दे पर उन्होंने एक पत्र तैयार किया है, जिसे वित्त मंत्री के साथ बैठक में उन्हें सौंपा जाएगा।

गडकरी ने कहा, मैं वित्त मंत्री से डीजल इंजन/वाहनों पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लगाने का अनुरोध करूंगा। केवल इसी तरह डीजल वाहनों धीरे-धीरे हटाया जा सकता है। हालांकि, इस बयान के थोड़ी देर बाद ही उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व नाम ट्वीटर) पर इसको लेकर सफाई दी।

गडकरी ने 'एक्स' पर लिखा, यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि सरकार के समक्ष वर्तमान में ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

नूंह हिंसा मामले में बजरंग दल नेता मोनू मानेसर गिरफ्तार

गुरुग्राम (हरियाणा)/भाषा। हरियाणा के नूंह जिले में जुलाई में हुई हिंसा के मामले में मंगलवार को गोरक्षक मोनू मानेसर को गिरफ्तार कर लिया गया। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि बाद में मोनू को नूंह की एक अदालत में पेश किया गया जहां उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। बजरंग दल नेता को गुरुग्राम के मानेसर से गिरफ्तार किया गया। मोनू का मूल नाम मोहित यादव है। फिलहाल, मोनू मानेसर के खिलाफ वास्तविक आरोपों का पता नहीं चल सका है। नूंह में 31 जुलाई की हिंसा से पहले मानेसर (30) का एक वीडियो सामने आया था जिसमें उसने कहा था कि वह बृज मंडल जलाभिषेक शोभायात्रा में शामिल होगा और उसने लोगों से भी इसमें शामिल होने का आग्रह किया था।

किसान दुनिया के सच्चे संरक्षक : मुर्मु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि किसानों ने मानवता को मिले प्रकृति के उपहार कृषि जैव विविधता को सदियों से बचाकर रखा है इसलिए इसमें कोई दो राय नहीं कि किसान ही इस दुनिया के सच्चे संरक्षक हैं।

श्रीमती मुर्मु ने मंगलवार को यहां किसान अधिकारों पर पहली वैश्विक संगोष्ठी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दुनिया का कृषक समुदाय इसका असली संरक्षक है क्योंकि उसने ही प्रकृति के उपहार कृषि जैव विविधता को बचाकर रखा है। उन्होंने कहा कि सभी को फसलों , पौधों तथा प्रजातियों की विभिन्न किस्मों की रक्षा करनी चाहिए और उनके संरक्षण के किसानों के प्रयास की सराहना की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इन वनस्पतियों का संरक्षण सभी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

इस संगोष्ठी का आयोजन खाद्य और कृषि संगठन , रोम के खाद्य एवं कृषि पादप आनुवंशिक संसाधनों पर अंतर्राष्ट्रीय संधि सचिवालय द्वारा किया जा रहा है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि भारत विविधता से भरपूर विशाल देश है जिसका क्षेत्रफल विश्व का केवल 2.4 प्रतिशत है लेकिन विश्व के पौधों की विभिन्न किस्मों और जानवरों की सभी दर्ज प्रजातियों का 7 से 8 प्रतिशत भारत में मौजूद है। उन्होंने कहा कि जैव विविधता के क्षेत्र में भारत पौधों और प्रजातियों की विस्तृत श्रृंखला से संपन्न देशों में से एक है। भारत की यह समृद्ध कृषि-जैव विविधता वैश्विक समुदाय के लिए अनुपम निधि रही है।

उन्होंने कहा कि हमारे किसानों ने कड़े परिश्रम और उद्यमिता से पौधों की स्थानीय किस्मों का संरक्षण किया है, जंगली पौधों को अपने अनुरूप बनाया है और पारंपरिक किस्मों का पोषण किया है। इससे फसल कार्यक्रमों को बल मिला है तथा मनुष्यों और पशुओं के लिए भोजन एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित हुई है।

कर्नाटक उच्च न्यायालय में दो स्थायी न्यायाधीश नियुक्त

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के दो अतिरिक्त न्यायाधीशों को पदोन्नत कर स्थायी न्यायाधीश के पद पर नियुक्त किया है। केंद्रीय विधि एवं मंत्रालय के न्याय विभाग ने मंगलवार को एक अधिसूचना जारी कर दोनों न्यायाधीशों की नियुक्ति की घोषणा की। अधिसूचना के अनुसार, न्यायमूर्ति न्यायमूर्ति अनंत रमानाथ हेगड़े और न्यायमूर्ति कर्मकुझिल श्रीधरन हेमलेखा को कर्नाटक उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के पद से पदोन्नत कर इसी अदालत का स्थायी न्यायाधीश नियुक्त न्यायाधीश किया गया है। उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने 31 अगस्त को दोनों अतिरिक्त न्यायाधीशों को न्यायाधीश बनने की सिफारिश की थी।

तमिलनाडु में रेत माफियाओं पर ईडी का शिकंजा, 40 से ज्यादा स्थानों पर छापेमारी

चेन्नई। तमिलनाडु में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की विभिन्न टीमों ने धनशोधन और कर चोरी के आरोपों के बाद रेत माफियाओं पर बड़ी कार्रवाई करते हुए मंगलवार को पूरे राज्य में छापेमारी की। राज्य में नदी तल से रेत खनन, बिक्री डिपो और रेत खनन ठेकेदारों के कार्यालयों और आवासों सहित 40 से ज्यादा स्थानों पर एक साथ छापे मारे गए। ये छापेमारी वेल्लोर, चेन्नई, डिंडीगुल, तिरुचि, करूर और पुदुक्कोट्टई सहित कई जिलों में की गई। आरोप है कि रेत खनन डिपो में प्रदान की गई ई-रसीद के साथ रेत को आधिकारिक तौर पर ऑनलाइन बेचा गया, लेकिन रेत की महत्वपूर्ण ऑफ़लाइन बिक्री भी हुई जिसका रिकॉर्ड लगातार दर्ज नहीं किया गया। ईडी सूत्रों ने कहा कि तलाशी के दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज मिले और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि हजारों लॉरी मालिकों/ऑपरेटरों को जारी किए गए ई-बिलों से सरकारी खातों में कर जमा किया गया या नहीं।

जब राष्ट्रीय सुरक्षा की बात आती है तो सभी राजनीतिक दल एकजुट : राजनाथ सिंह

राजनाथ सिंह ने जम्मू में 90 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सांबा (जम्मू कश्मीर)/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सिविल-सैन्य समावेश की आवश्यकता पर जोर देते हुए मंगलवार को कहा कि जब राष्ट्र की सुरक्षा की बात आती है तो सभी राजनीतिक दल एकजुट होते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को पूरा करने के लिए सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की सराहना की।

रक्षा मंत्री ने कहा, बीआरओ सिविल-सैन्य समावेश का एक शानदार उदाहरण है और सीमाओं पर बुनियादी ढांचे के विकास में इसकी भूमिका सुनहरे अक्षरों में लिखी जाएगी।

यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा, सिविल-सैन्य समावेश समय की मांग है क्योंकि देश की सुरक्षा केवल हमारे सशस्त्र बलों की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि नागरिकों की भी है। उन्होंने 2,941 करोड़ रुपए की लागत से, बीआरओ द्वारा पूरी की गई कुल 90 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन किया। उन्होंने हिंदू धार्मिक ग्रंथों का हवाला देते हुए कहा, हमें अपनी सीमाओं की सुरक्षा के लिए मिलकर काम करना होगा।

रक्षा मंत्री ने कहा, मैं इन महत्वपूर्ण सीमा परियोजनाओं के पूरा होने पर सभी को बधाई देना चाहता हूं। भारत की ताकत यह है कि जब हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा को चुनौती मिलती है या भारत माता को खतरा होता है, तो सभी राजनीतिक दल अपने वैचारिक मतभेदों को किनारे रख देते हैं और दुश्मन का मुकाबला करने के लिए एक साथ आ जाते हैं।

काशी विश्वनाथ मंदिर-ज्ञानवापी मस्जिद मामले में सुनवाई 18 को

प्रयागराज/भाषा। न्यायिक कार्य से अधिवक्ताओं के अनुपस्थित रहने की वजह से मंगलवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में ज्ञानवापी मामले में सुनवाई नहीं हो सकी। इस मामले में ना तो याचिकाकर्ता और ना नहीं बचाव पक्ष की ओर से कोई वकील अदालत में पेश हुआ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मंगलवार से ऑनलाइन माध्यम से सुनवाई की व्यवस्था शुरू की है।

मुख्य न्यायाधीश प्रितिंकर दिवाकर की अदालत ने वकीलों की हड़ताल की वजह से ऑनलाइन माध्यम से सुनवाई की अनुमति दी है, लेकिन किसी वकील के पेश नहीं होने की वजह से अदालत ने इस मामले में सुनवाई की अगली तिथि 18 सितंबर तय की है। वाराणसी की अदालत में दायर वाद की पोषणीयता को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई है। मूल वाद में उस जगह पर मंदिर बहाल करने की मांग की गई है जहां वर्तमान में ज्ञानवापी मस्जिद मौजूद है।

पर्यावरण अनुकूल परिवहन परिवेश का विकास समय की मांग: प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि पर्यावरण अनुकूल एवं भरोसेमंद परिवहन परिवेश विकसित करना आज समय की मांग है। उन्होंने भारतीय वाहन उद्योग से 'अमृत काल' के लक्ष्यों को हासिल करने का मार्ग प्रशस्त करने को भी कहा।

वाहन विनिर्माताओं के संगठन सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के वार्षिक सम्मेलन में अपने संदेश में मोदी ने देश की वृद्धि में इस उद्योग की भूमिका को स्वीकार किया।

प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा, आज वृद्धि को गति देने के लिहाज से भारत में परिवहन के विभिन्न साधन महत्वपूर्ण हैं। जैसे-जैसे करोड़ों लोग गरीबी से बाहर निकलकर नव-मध्यम वर्ग में आते हैं, वहां सामाजिक तथा आर्थिक गतिशीलता आती है।

कार्यक्रम में मौजूद लोगों के समक्ष सियाम के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने प्रधानमंत्री का संबोधन पढ़ा।

मोदी ने कहा, जैसे ही वे अपनी आकांक्षाओं के माध्यम से देश की वृद्धि को आगे बढ़ाते हैं, वे हमारी अर्थव्यवस्था को दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनने की शक्ति देते हैं। इससे ही भारत 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। जल्द ही हम शीर्ष तीन में पहुंचने के लिए तैयार हैं। मोदी ने दोहराया कि वाहन उद्योग मूल्य-निर्माण चक्र में उत्प्रेरक और लाभार्थी दोनों है। उन्होंने कहा कि उद्योग ने करोड़ों लोगों को रोजगार देकर आय वृद्धि में योगदान दिया है। उन्होंने कहा, साथ ही, वाहन उद्योग को भी आर्थिक वृद्धि से उत्पन्न अधिक मांग का फायदा मिला है। आज पर्यावरण अनुकूल एवं भरोसेमंद परिवहन परिवेश विकसित करना समय की मांग है। पर्यावरण के प्रति जागरूक तथा आर्थिक रूप से व्यवहार्य आवगमन ही भविष्य है।

पीओके अपने आप 'भारत का हिस्सा बन जाएगा' : वीके सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री जनरल वी के सिंह ने कहा है कि पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर (पीओके) अपने आप भारत के अंदर आएगा। पूर्व सेना प्रमुख ने सोमवार को दौसा में संवाददाताओं से कहा, पीओके अपने आप भारत के अंदर आएगा, थोड़ा सा इंतजार कीजिए। उन्होंने राज्य में भाजपा की परिवर्तन यात्रा के दौरान दौसा में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान पीओके से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए यह बात कही। सिंह ने कहा कि जी-20 सम्मेलन की भव्यता ने भारत को विश्व मंच पर अनूठी पहचान दिलाई है और भारत ने पूरी दुनिया में अपना लोहा मनवाया है। उन्होंने कहा, जी-20 बैठक अभूतपूर्व रही। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने विश्व में अपना लोहा मनवा दिया। जी-20 समूह में विश्व के सभी शक्तिशाली देश शामिल हैं। सभी देशों ने भारत की मुक्त कंठ से प्रशंसा की है। सिंह ने कहा कि 'जैव ईंधन गठबंधन' को लेकर मोदी के नेतृत्व में मिली सफलता भारत को आर्थिक रूप से मजबूती की दिशा में ले जा रही है।

उन्होंने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मौजूदा कांग्रेस सरकार के राज में कानून व्यवस्था बदहाल है और युवाओं एवं किसानों से किए गए वादे पूरे नहीं किए गए। सिंह ने कहा, इसलिए भाजपा को जनता के बीच जाकर उनकी बात सुनने के लिए परिवर्तन संकल्प यात्रा निकालनी पड़ी है।

महिला और उसके दो बच्चों की आग की चपेट में आने से मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले के राजियासर थाना क्षेत्र में सोमवार को खेत के पास बने घर में लगी आग के चपेट में आने से एक महिला और उसके दो मासूम बच्चों की मौत हो गई। थानाधिकारी सत्यनारायण गोदारा ने बताया कि ठेठार गांव में खेत में बने एक घर में आग लगने से ज्योति राजपूत और उसके दो मासूम बच्चे सार्थक (3) और मोहित (1) की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। आग केरोसिन के तेज से लगी है। घर में आग लगने के समय मृतका और उसके बच्चों के अलावा कोई मौजूद नहीं था।

उन्होंने बताया कि मृतका का पति खेती करता है और खेत के पास ही बने घर में उसका परिवार रहता है।

उन्होंने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिये अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। मंगलवार सुबह शवों का पोस्टमार्टम करवाया जायेगा। उन्होंने बताया कि फिलहाल इस संबंध में कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है। मृतका के परिजनों की ओर से शिकायत करने पर मामला दर्ज किया जायेगा।

होंडा ने नई एसयूवी एलिवेट को पेश किया

जयपुर। कार विनिर्माता होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड ने अपने नए एसयूवी मॉडल 'एलिवेट' को सोमवार को राजस्थान में उतारने की घोषणा की। होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड के निदेशक (विपणन और बिक्री) युइची मुराता ने इस अवसर पर कहा कि एलिवेट भारत में कंपनी के कारोबार का प्रमुख स्तंभ बनने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा, एलिवेट का विकास व्यापक शोध और ग्राहकों से मिली प्रतिक्रिया के आधार पर किया गया है। यह कार उपभोक्ताओं को उल्लेखनीय खूबियों की पेशकश करती है। मुराता ने होंडा के लिए राजस्थान के बाजार को महत्वपूर्ण बताया।

पेड और फेक न्यूज पर नियंत्रण के लिए सभी जिलों पर मीडिया सर्टीफिकेशन एण्ड मॉनिटरिंग कमेटी का होगा गठन : गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विधानसभा चुनाव-2023 के मद्देनजर मीडियाकर्मियों को निर्वाचन संबंधी विषयों से अवगत कराने के लिए निर्वाचन विभाग की ओर से मंगलवार को कउच ठखझ- जयपुर में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने मीडियकार्मियों से निर्वाचन विभाग के विभिन्न नवाचारों के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा कि पेड और फेक न्यूज पर नियंत्रण के लिए सभी जिलों और राज्य स्तर पर मीडिया सर्टीफिकेशन एण्ड मॉनिटरिंग कमेटी का गठन होगा।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए गुप्ता ने कहा कि एमसीएमसी और पैड न्यूज के लिए भारत निर्वाचन आयोग ने प्रोटोकोल तय कर रखा है। विज्ञापनों के लिए प्री सर्टिफिकेशन अनिवार्य है। उन्होंने मीडियाकर्मियों को एमसीएमसी, पैड न्यूज, फेक न्यूज, निर्वाचक सूची तथा होम वोटिंग के साथ ही आईटी एप्स जैसे सुविधा एप, सी-विजिल एप, केवाईसी एप, वोटर हैल्प लाइन एप, सक्षम एप, आदर्श आचार संहिता, स्वीप और शिकायत निवारण पोर्टल से संबंधित विभिन्न नवाचारों के बारे में नवीनतम जानकारी होनी चाहिए। गुप्ता ने कहा कि इस बार 50 फीसदी से ज्यादा मतदान केन्द्रों पर लाइव वेबकास्टिंग होनी है। मतदाताओं के नाम जुड़वाने, मतदाता सूची में संशोधन आदि के लिए ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है, साथ ही निर्वाचन से संबंधित जानकारियां एसएमएस के माध्यम से प्रदान की जा रही है। उन्होंने ई-ईपिक डाउनलोड करने की जानकारी भी दी तथा वोटर हेल्पलाइन एप का व्यापक प्रचार-प्रसार करने की अपील की।

गुप्ता ने कहा कि चुनाव से पहले बहुत से लोग ये जानना चाहते हैं कि उनका नाम वोटर लिस्ट में है या नहीं। ऐसे में बार कोड, क्यू आर कोड, नाम या पिता का नाम तथा वोटर क्रमांक के जरिए हम वोटर लिस्ट में नाम पता कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि निर्वाचक सूची में नाम जुड़वाने के लिए नामांकन के अंतिम दिन से 10 दिवस पूर्व तक आवेदन किया जा सकता है।

गुप्ता ने बताया कि आदर्श आचार संहिता और व्यय अनुवीक्षण को लेकर सी-विजिल एप पर ऑनलाइन शिकायत वीडियो, ऑडियो या फोटो के जरिए की जा सकती है। वहीं केवाईसी एप के जरिए उम्मीदवार की समस्त जानकारी जिसमें मुख्यतः आपराधिक पृष्टभूमि ऑनलाइन ली जा सकती है। सुविधा एप के जरिए उम्मीदवार रैली, सभा, वाहन आदि की अनुमति ले सकता है।

राजस्थान में दोबारा कांग्रेस की सरकार बनेगी : पायलट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर हर क्षेत्र में विफल रहने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को विश्वास जताया कि आगामी विधानसभा चुनाव के बाद राजस्थान में दोबारा कांग्रेस सरकार बनाएगी। पायलट ने यह भी दावा कि कांग्रेस राजस्थान के अलावा मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व तेलगांना में भी सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि इन राज्यों में जीत होने पर अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में विपक्षी दलों का गठबंधन 'इंडिया' जीतेगा।

अजमेर में मीडिया से बातचीत में पायलट ने कहा, 'राजस्थान में जिस प्रकार से सरकार, संगठन सब मिलकर काम कर रहे हैं, मुझे लगता है कि यहां दोबारा सरकार कांग्रेस पार्टी की बनेगी। केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, पिछले नौ साल से केंद्र में पूर्ण बहुमत वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार है, लेकिन बड़ी विडंबना है कि वह अपना काम नहीं कर पा रही है। नौ साल का यह एक आकलन लोगों का है। हर क्षेत्र में वह विफल रहे हैं। महंगाई तथा बेरोजगारी है और किसान एवं नौजवान समेत सब त्रस्त हैं।

राजस्थान में भाजपा की परिवर्तन यात्राओं पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा, राजस्थान में उल्टा है। भाजपा यहां विपक्ष में है और उस भूमिका को निभा नहीं पा रही है। अब थक हार कर यात्रा शुरू की है... पहले जन आक्रोश यात्रा शुरू की थी जिसमें जनता नहीं थी, अब परिवर्तन यात्रा कर रही है। यहां पर भाजपा में सिर फुटव्वल मचा है और संघर्ष बहुत ज्यादा है।

कांग्रेस नेता ने कहा, अब वे (भाजपा नेता) इस बात से संतोष ले रहे हैं कि हर पांच साल में सरकार बदल जाती है। मैं ऐसा मानता हूं कि इस बार इस परिपाटी को हम तोड़ने जा रहे हैं। राजस्थान में जिस प्रकार से सरकार, संगठन, सब मिलकर काम कर रहे हैं, मुझे लगता है कि यहां दोबारा सरकार कांग्रेस पार्टी की बनेगी। उन्होंने कहा, मैं यह बात जनता से हमें मिली प्रतिक्रिया के आधार पर कह रहा हूं।

पायलट ने कहा कि सब लोग मानते हैं कि इस बार भाजपा विपक्ष के रूप में सदन और सदन के बाहर नाकाम रही है और अब उसकी परिवर्तन यात्राओं में जनता का अभाव इस बात का प्रमाण है कि जनता भाजपा पर विश्वास नहीं करती है। भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, ये उम्मीद करते हैं कि राममंदिर के नाम पर, हिंदू- मुसलमान के नाम पर हम सत्ता में आ जाएंगे। लोग अब समझ गए हैं। शुरुआत में तो लोग भ्रमित हो जाते थे। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि इन चार राज्यों --मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ व तेलगांना में भाजपा अच्छा प्रदर्शन करेगी। मुझे लगता है कि चारों राज्यों में कांग्रेस पार्टी की सरकार बनेगी। इन सभी राज्यों में इस साल के अंत में चुनाव होने हैं। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा, पार्टी के दम पर ही सरकारें बनती हैं और मुझे विश्वास है कि सबलोग मिलकर ही चुनाव लड़ रहे हैं और पार्टी जिताउ लोगों को टिकट देगी।

पायलट ने कहा, चुनौती बड़ी गंभीर है। देश में लोकसभा के चुनाव अगले साल हैं। अगर इन चारों राज्यों में कांग्रेस पार्टी जीतती है तो मैं पूरे विश्वास के साथ बोल सकता हूं कि 2024 में 'इंडिया' गठबंधन की सरकार बनागी।

'चम्बल रिवर फ्रंट से लगेंगे प्रदेश के पर्यटन को पंख'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश को मंगलवार को चम्बल रिवर फ्रंट की सौगात मिली। कोटा शहर में लगभग 1400 करोड़ रुपये की लागत से विकसित देश के पहले हैरिटेज रिवर फ्रंट का लोकार्पण विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी ने नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री शांति धारीवाल की उपस्थिति किया। राज्य सरकार के कई मंत्रियों के साथ ही विभिन्न बोर्ड-निगम-आयोग अध्यक्ष एवं विशिष्ट लोग इस ऐतिहासिक पल के गवाह बने। कोटा बैराज से नयापुरा पुलिया तक तक 2.75 किलोमीटर लम्बाई में विकसित चम्बल रिवर फ्रंट को अवलोकन कर सभी गणमान्य अभिभूत नजर आए। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी ने कहा कि राजस्थान के लिए यह गौरव का विषय है कि इस तरह का ऐतिहासिक कार्य कोटा में हुआ है। जो भी पर्यटक यहां आएंगे वे यहां की खूबसूरती को आजीवन याद रखेंगे। शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला ने कहा कि चम्बल रिवर फ्रंट ने राज्य में विकास की एक नई इबारत लिखी है। यह रिवर फ्रंट पर्यटन की दृष्टि से मील का पत्थर साबित होगा। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादीलाल मीणा ने कहा कि राज्य सरकार विकास कार्यों में कोई कमी नहीं रख रही है। कोटा में विकसित चम्बल रिवर फ्रंट ना केवल पर्यटन और कला की दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि राजस्थान की गंगा-जमुनी तहजीब की भी मिसाल है। कृषि मंत्री लालचंद कटारिया ने कहा कि वे चंबल रिवर फ्रंट के विभिन्न घाटों का अवलोकन कर अभिभूत हैं। उन्होंने कहा कि जो भी देशी-विदेशी पर्यटक यहां आएंगे उनके जेहन में लंबे समय तक यादें ताजा रहेंगी।

सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना ने कहा कि राज्य विकास के पद पर निरंतर आगे बढ़ रहा है। चंबल रिवर फ्रंट इसी की एक मिसाल है। यह देश-दुनिया के पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा। उद्योग मंत्री श्रीमती शकुंतला रावत ने कहा कि चंबल रिवर फ्रंट के बारे में जितना सुना था उससे कहीं बढ़कर पाया है। यहां पूरे विश्व की संस्कृति के दर्शन हो रहे हैं। यहां ऐतिहासिक कार्य हुआ है जो सदियों तक याद रखा जाएगा। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती ममता भूपेश ने कहा कि वसुधैव कुटुंबकम की संकल्पना को साकार करता यह रिवर फ्रंट राजस्थान की लोक संस्कृति भी प्रमुखता से दर्शाता है। राजस्थान पर्यटन सहित हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। चंबल रिवर फ्रंट से पर्यटन के साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी खुलेंगे।

राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने कहा कि कोचिंग सिटी के तौर पर पहचान रखने वाला कोटा अब चम्बल रिवर फ्रंट के लिए भी देश-दुनिया में जाना जाएगा। सार्वजनिक निर्माण मंत्री भजनलाल जाटव ने कहा कि चंबल रिवर फ्रंट का कार्य अद्भुत और अकल्पनीय है। यहां निर्मित हर एक घाट और हर एक इमारत आकर्षित करने वाली है। चंबल माता की विशालकाय मूर्ति विशेष रूप से आकर्षित करती है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली ने कहा कि भविष्य में चंबल रिवर फ्रंट प्रमुख पर्यटन केन्द्र के रूप में उभरेगा। बड़ी संख्या में सैलानी हर साल यहां आएंगे जो यहां से खूबसूरत यादें लेकर जाएंगे।

पूजा

जैसलमेर में आस्था और श्रद्धा के पावन धाम रामदेवरा मंदिर में बाबा रामदेव जी की पूजा अर्चना करते लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला।

विभिन्न विधाओं के विजेताओं को पुरस्कार देकर किया सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के अंतर्गत राजस्थान ब्रजभाषा अकादमी के द्वारा मंगलवार को झालाना स्थित अकादमी संकुल परिसर में ब्रजभाषा रचनाकार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ब्रजभाषा रचनाकार प्रतियोगिता 2023 के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर कला, साहित्य एवं संस्कृति मंत्री डॉ. बी.डी कल्ला के सन्देश का वाचन किया गया। उन्होंने अपने सन्देश में ब्रज भाषा को सरल, तरल एवं उदार बताते हुए इसकी महिमा का वर्णन किया और अकादमी को प्रशंसनीय कार्यों के लिए बधाई दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति गोपाल कृष्ण ने कहा कि ब्रजभाषा कृष्ण की भाषा है।

उन्होंने ब्रजभाषा अकादमी को अपने उल्लेखनीय कार्यों के लिए बधाई देते हुए कहा कि हमे यदि हिंदुस्तान को आगे बढ़ाना है, तो अपनी भाषाओँ को आगे बढ़ाना होगा और संयुक्त रूप से इनके उत्थान के लिए कार्य करना होगा।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि राजस्थान राज्य मेला प्राधिकरण के उपाध्यक्ष रमेश बोराणा ने ब्रजभाषा अकादमी को कृष्ण से जोड़ते हुए कहा कि यह भाव और संवेदनाओं की भाषा है साथ ही उन्होंने सभी विजेता रचनाकारों को पुरस्कार के लिए बधाई दी। कार्यक्रम में आलेख विधा में प्रथम स्थान पर डॉ.रामदास शर्मा, द्वितीय स्थान पर निर्मल कुमार सिंहल एवं तृतीय स्थान पर अश्विनी गोयल, समस्यापूर्ति विधा में प्रथम स्थान पर अभिषेक, द्वितीय स्थान पर कमल सिंह कमल एवं तृतीय स्थान पर कल्याण गुर्जर को पुरस्कृत किया गया। इसी तरह लोकधुन पर आधारित लोकगीत विधा में प्रथम स्थान पर हरिशचन्द्र हरि, द्वितीय स्थान पर शिवराम शिव एवं तृतीय स्थान पर सर्वोत्तम त्रिवेदी को पुरस्कृत किया गया।

रजिस्ट्रेशन से वंचित परिवार भी महंगाई राहत कैंप से जोड़े जाएं : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव श्रीमती उषा शर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को शासन सचिवालय में राज्य के वंचित परिवारों का महंगाई राहत कैंप में रजिस्ट्रेशन करवाने के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य सचिव ने जिला कलेक्टर के उत्कृष्ट कार्यो की सराहना करते हुए कहा कि जनआधार के आकड़ों के अनुसार राज्य के अधिकाशं परिवारों को महंगाई राहत कैंप से जोड़ा जा चुका है और उन्हें योजनाओ का लाभ भी मिला है । इसी क्रम में उन्होंने सम्बंधित विभागों के सचिव और जिला कलेक्टर को निर्देश दिए कि कुछ परिवार, जो योजनाओं के लाभ लेने से वंचित रह गए हैं, उनका महंगाई राहत कैंप में रजिस्ट्रेशन करवाना सुनिश्चित किया जाए।

श्रीमती शर्मा ने सभी जिला कलेक्टर को निर्देश दिए कि वे सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग से समन्वय कर वंचित परिवारों का जिला वार और ब्लॉक वार डाटा प्राप्त करें और महंगाई राहत कैंप में रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू करवाएं । उन्होंने सम्बंधित विभागों को भी निर्देशित किया कि वे जिला कलेक्टर के साथ मिलकर ऐसे परिवारों को विभाग की योजनाओ का लाभ पहुंचना सुनिश्चित करें, जिनका रजिस्ट्रेशन तो हो गया है, परन्तु उन्हें सभी योजनाओं का लाभ प्राप्त नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि महंगाई राहत कैंप में वंचित परिवारों के रजिस्ट्रेशन के लिए महात्मा गाँधी सेवा प्रेरक, राजीव गाँधी युवा मित्र और ग्रामीण पदाधिकारियों की भी मदद ली जाए, ताकि राज्य सरकार की सभी योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचे। बैठक में आयोजना विभाग के शासन सचिव भवानी सिंह देथा और संयुक्त सचिव सुशील कुमार कुलहरी, सचिव सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग श्रीमती आनंधी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

स्वामित्व योजना में प्रदेश ने किया अच्छा काम : सुनील कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश ने 25 हजार से भी अधिक गांवों में ड्रोन सर्वे कर स्वामित्व योजना में पिछले 18 महीने में अच्छा काम करके दिखाया है। लेकिन सबसे बड़ा राज्य और गांवों की बड़ी संख्या के कारण यहां समय पर सर्वे, मैप प्रथम-द्वितीय जारी कर लाभार्थी को सम्पत्ति के प्रॉपर्टी कार्ड जारी करने के काम में और तेजी लानी होगी। पंचायती राज मंत्रालय भारत सरकार के सचिव श्री. सुनील कुमार ने मंगलवार को प्रातः शासन सचिवालय स्थित कांफ्रेंस हॉल में राज्य में स्वामित्व योजना की प्रगति एवं क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए यह निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि इस योजना का वास्तविक मकसद डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करने के साथ ही योजना में निर्मित नक्शों एवं डेटाबेस को विकास कार्यों की प्लानिंग में उपयोग किया जाना है। योजना का पूरा रिकॉर्ड तैयार होने के बाद विकास कार्यों की प्लानिंग के लिए बार-बार फील्ड सर्वे नहीं करना होगा और सटीकता के साथ डेटा का विविध कार्यों में उपयोग लिया जा सकेगा। सुनील कुमार ने सर्वे ऑफ इण्डिया को ड्रोन सर्वे डेटा के आधार पर 10 हजार गांवों के बैकलॉग मैप प्रथम नवम्बर अन्त तक पंचायती राज विभाग को उपलब्ध करा देने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि विभाग द्वारा मैप वन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ग्राउण्ड पर इस पर प्रॉपर्टी टूऋथिंग एवं मार्किग का कार्य भी तेजी से किया जाए।

मुलाकात — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में मंगलवार को शतरंज ग्रैंडमास्टर सेलवन डी.गुकेश ने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से मुलाकात की।

सनातन धर्म मुद्दे पर मंत्री शेखर बाबू के खिलाफ तमिलनाडु बीजेपी का अभियान तेज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भाजपा ने हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती (एचआर एंड सीई) मंत्री पी.के. शेखर बाबू के सनातन धर्म उन्मूलन बैठक में भाग लेने पर आपत्ति जताई और उनके खिलाफ अभियान तेज कर दिया। बैठक में उदयनिधि स्टालिन ने विवादास्पद टिप्पणी की थी।

भाजपा के तमिलनाडु प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने मंत्री पर निशाना साधा और कहा कि जब उदयनिधि स्टालिन कह रहे थे कि द्रमुक सनातन धर्म को खत्म कर देगी, तब राज्य के मंदिरों के प्रभारी मंत्री देख रहे थे। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष के बयान से संकेत मिलता है कि भगवा पार्टी शेखर बाबू के खिलाफ अपना अभियान तेज कर रही है। पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एच. राजा ने आईएएनएस को बताया कि भाजपा मंत्री पद से शेखर बाबू के इस्तीफे के लिए अपना अभियान बढ़ाएगी।

भाजपा के सूत्रों ने बताया कि

पार्टी मंत्री के खिलाफ जिला स्तर पर अभियान चलाएगी और मंत्री पद से उनके इस्तीफे की मांग करेगी। अन्नामलाई ने कहा है कि तमिलनाडु के लोग सनातन धर्म के खिलाफ बोलने में डीएमके की मंशा को आसानी से समझ सकते हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि द्रविड़ कड़गम के अध्यक्ष के. वीरमणि ने सनातन धर्म को हिंदू धर्म के बराबर बताया था, जबकि उदयनिधि स्टालिन सहित द्रमुक नेता कह रहे हैं कि सनातन धर्म और हिंदू धर्म अलग-अलग है।

अन्नामलाई ने सोमवार को शेखर बाबू के इस्तीफे की मांग की, क्योंकि उन्होंने एक बैठक में भाग लिया था, जिसमें द्रविड़ कड़गम के के वीरमणि ने कहा था कि सनातन

हिंदू धर्म पर टिप्पणी को लेकर भाजपा नेता अन्नामलाई ने राजा पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के अन्नामलाई ने हिंदू धर्म के संबंध में द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) सांसद ए. राजा की कथित टिप्पणी को लेकर मंगलवार को उन पर निशाना साधा। अन्नामलाई ने तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक पर राज्य में लोगों के बीच विभाजन पैदा करने और नफरत फैलाने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि द्रमुक सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री राजा ने अपनी पार्टी द्वारा की गई गलतियों के लिये सनातन धर्म को दोषी ठहराने की 'धृष्टता' की। भाजपा नेता ने कहा, द्रमुक सांसद राजा ने हिंदू धर्म को भारत और दुनिया के लिए खतरा बताया है। द्रमुक तमिलनाडु में जातियों के बीच विभाजन और नफरत का प्रमुख कारण है।

धर्म हिंदू धर्म है और उसी सम्मेलन में उदयनिधि स्टालिन ने इसके उन्मूलन का आह्वान किया था। अन्नामलाई ने यह भी कहा कि द्रमुक के राजनीतिक लाभ के लिए एक विशेष आस्था (हिंदू धर्म) को निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदायों से 20 केंद्रीय मंत्री हैं, जबकि तमिलनाडु में एम.के. स्टालिन के नेतृत्व वाली डीएमके सरकार में एससी/एसटी समुदाय से केवल तीन मंत्री हैं। उन्होंने द्रमुक पर भी तंज किया और कहा कि कैबिनेट में एससी/एसटी मंत्रियों को महत्वहीन विभाग दिए गए हैं।

धार्मिक आधार पर लोगों को बांट रही द्रमुक, कांग्रेस-वाम दल कर रहे मदद : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई ने मंगलवार को राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री के. पोनमुडी पर उनकी टिप्पणी के लिए निशाना साधते हुए कहा कि द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) चुनावी फायदे के लिए लोगों को धार्मिक आधार पर बांटने का प्रयास कर रही है। भाजपा ने यह भी आरोप लगाया कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का गठन सनातन विचारधारा के विरोध में किया गया है। भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और वामपंथी दल द्रमुक का समर्थन कर रहे हैं।

भाजपा की तमिलनाडु इकाई के उपाध्यक्ष नारायणन तिरुपति ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि पोनमुडी की टिप्पणी यह दर्शाती है कि 'सच्चाई सामने आ चुकी' है। भाजपा नेता द्रमुक के वरिष्ठ नेता पोनमुडी के एक वायरल वीडियो पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। पोनमुडी ने यहां हाल ही में एक सनातन धर्म विरोधी सभा में कहा था कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का गठन सनातन विचारधारा के विरोध में किया गया है। पोनमुडी को वीडियो में यह कहते हुए सुना जा सकता है, 'यह 'इंडिया' गठबंधन सनातन विचारधारा के विरोध में बनाया गया है। (घटक दलों के)विचारों में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन सनातन विरोध को लेकर कोई असहमति नहीं है।

इस गठबंधन में शामिल दल समानता लाना चाहते हैं, अल्पसंख्यकों और लैंगिक समानता की रक्षा करना चाहते हैं।'

उदयनिधि स्टालिन की टिप्पणी 'इंडिया' गठबंधन के रुख को प्रतिबिंबित नहीं करती : राघव चड्ढा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता राघव चड्ढा ने सनातन धर्म पर द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) नेता उदयनिधि स्टालिन की टिप्पणी की मंगलवार को निंदा की, साथ ही यह भी कहा कि किसी भी पार्टी के 'कुछ छोटे' नेताओं द्वारा दिए गए बयानों को विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का आधिकारिक रुख नहीं माना जा सकता है।

चड्ढा ने एक साक्षात्कार में पीटीआई-भाषा से कहा, 'मैं सनातन धर्म से हूं। मैं ऐसे बयानों की निंदा और विरोध करता हूं। इस तरह के बयान नहीं दिए जाने चाहिए। किसी को भी धर्म पर ऐसी टिप्पणी करने से बचना चाहिए। हमें सभी धर्मों का सम्मान करना

चाहिए।' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस मुद्दे को लेकर 'इंडिया' गठबंधन पर हमलावर है। भाजपा ने मंगलवार को विपक्षी गठबंधन पर वोट बैंक की राजनीति के लिए सनातन धर्म को निशाना बनाने का छिपा हुआ 'एजेंडा' चलाने का आरोप लगाया। आप नेता ने कहा, किसी पार्टी का कोई नेता इस तरह की टिप्पणी करता है... इसका मतलब यह नहीं है कि यह गठबंधन का बयान है। देश के सामने महंगाई, बेरोजगारी जैसे बड़े मुद्दों को उठाने के लिए गठबंधन बनाया गया है। एक राज्य के एक जिले में खड़े होकर किसी छोटे नेता द्वारा दिया गया बयान, गठबंधन का आधिकारिक रुख नहीं है। आगामी लोकसभा चुनावों में एकजुट होकर भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का मुकाबला करने के लिए दो दर्जन से अधिक विपक्षी दलों ने 'इंडिया' गठबंधन बनाया है। चड्ढा उस 14-सदस्यीय समन्वय समिति के सदस्य हैं, जो 'इंडिया' गठबंधन की निर्णय लेने वाली शीर्ष संस्था है। बुधवार को दिल्ली में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार के आवास पर समिति की बैठक होगी। चड्ढा ने कहा, बैठक में उन मुद्दों पर चर्चा होगी, जिन्हें हम उठाएंगे। साथ ही इन मुद्दों को रैली, घर-घर अभियान या सार्वजनिक सभाओं के माध्यम से लोगों तक कैसे पहुंचाया जाएगा, इस पर भी चर्चा होगी। हम राज्यवार इस पर चर्चा करेंगे।

ईडी ने गिरफ्तार तमिलनाडु के मंत्री सेंथिल बालाजी से जुड़े 10 स्थानों पर की छापेमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) तमिलनाडु के गिरफ्तार मंत्री सेंथिल बालाजी से जुड़े दस स्थानों पर छापेमारी कर रहा है। कोयंबटूर, करूर और तिरुचि में गिरफ्तार मंत्री के करीबी लोगों के आवासों और कार्यालय परिसरों पर छापेमारी की जा रही है। 14 जून को सचिवालय में उनके आधिकारिक आवास और कार्यालय पर छापेमारी के बाद ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद सेंथिल बालाजी पुझल केंद्रीय जेल में बंद हैं। पिछली अन्नाद्रमुक सरकार में मंत्री रहते हुए नौकरी के बदले नकदी घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग के बाद ईडी ने मंत्री से पूछताछ की और उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तारी बाद बालाजी ने सीने में दर्द की शिकायत की और उन्हें ओमांदुरार अस्पताल ले जाया गया,

जहां पता चला कि उनकी कोरोनरी धमनी में तीन ब्लॉक हैं और डॉक्टरों ने ब्लॉक को हटाने के लिए सर्जरी की। हालांकि, मंत्री ने एक निजी अस्पताल में सर्जरी कराने पर जोर दिया था और इसके लिए मद्रास उच्च न्यायालय का रुख किया और अनुकूल आदेश प्राप्त किया। कावेरी अस्पताल में उनका ऑपरेशन किया गया और ठीक होने के बाद उन्हें पुझल केंद्रीय जेल के मेडिकल वार्ड में रखा गया है। ईडी ने तमिलनाडु के उच्च शिक्षा मंत्री और वरिष्ठ डीएमके नेता के. पोनमुडी के परिसरों पर भी छापेमारी की है।

भेंट — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में मंगलवार को सचिवालय में स्थानांतरण पर अपनी नई पोस्टिंग जगह पर शामिल होने वाले आईएएस अधिकारियों ने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से मुलाकात की।

सभी उद्योगों में आपूर्ति श्रृंखला गतिविधियों में बढ़ती दिख रही है 'आउटसोर्सिंग' की प्रवृत्ति : टीवीएस एससीएस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। टीवीएस एकीकृत आपूर्ति श्रृंखला समाधान में विभिन्न उद्योगों में आपूर्ति श्रृंखला गतिविधियों में वृद्धि और कई नए अवसर नजर आ रहे हैं। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही। शहर स्थित कंपनी ने अप्रैल-जून 2023 तिमाही के लिए 65.3 करोड़ रुपये का समेकित शुद्ध घाटा दर्ज किया था, जबकि पिछले वर्ष समान तिमाही के दौरान शुद्ध घाटा 1.8 करोड़ रुपये था।

समीक्षाधीन तिमाही में परिचालन आय 2,342.4 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 2,675.5 करोड़ रुपये थी। एकीकृत आपूर्ति श्रृंखला समाधान (आईसीसीएस) व्यवसाय को अप्रैल-जून 2023 तिमाही में इस खंड में 1,318.8 करोड़ रुपये का राजस्व दर्ज करने से काफी बल मिला।

यह पिछले पिछले वर्ष की समान अवधि में 1,097.7 करोड़ रुपये था।

टीवीएस एकीकृत आपूर्ति श्रृंखला समाधान लिमिटेड के प्रबंध निदेशक रवि विश्वनाथन ने वित्तीय प्रदर्शन पर कहा, हम उद्योगों में आपूर्ति श्रृंखला गतिविधियों की बढ़ती आउटसोर्सिंग' की प्रवृत्ति देख रहे हैं जिसके परिणामस्वरूप मौजूदा संबंधों का विस्तार हो रहा है और नए अवसरों की एक मजबूत श्रृंखला तैयार हो रही है।

उन्होंने कहा, 'यह प्रवृत्ति आईएससीएस खंड में वृद्धि के लिए अनुकूल है, जहां हमारे पास मौजूद सभी भौगोलिक क्षेत्रों में मजबूत मांग हैं।'

एनटीसी समूह ने इंडोनेशिया के बाजार में किया प्रवेश

चेन्नई। लॉजिस्टिक्स एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन से जुड़े एनटीसी समूह ने विदेशों में अपनी उपस्थिति को और मजबूत करते हुए इंडोनेशिया के बाजार में प्रवेश किया है। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एनटीसी समूह ने सिंगापुर, मलेशिया, हांगकांग, बेल्जियम, सऊदी अरब में एक एकीकृत लॉजिस्टिक्स समाधान प्रदाता के रूप में उपस्थिति के अलावा जकार्ता में परिचालन शुरू किया है।

कंपनी की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, वैश्विक कार्यालयों के साथ एनटीसी अंतरराष्ट्रीय व्यापार को कुशलतापूर्वक प्रबंधित कर पा रहा है और अंतरराष्ट्रीय माल अग्रेषण में अमूल्य विशेषज्ञता प्रदान करता है। इंडोनेशियाई बाजार में प्रवेश सुदूर पूर्व और उससे आगे के क्षेत्र में संपर्क बढ़ाने के कंपनी के दृष्टिकोण के अनुरूप है। एनटीसी समूह के संस्थापक एवं चेयरमैन के. चंद्रमोहन ने कहा, हम इंडोनेशिया (जकार्ता) में अपनी उपस्थिति की घोषणा करते हुए बेहद खुश हैं। यह विस्तार हमारे ग्राहकों को उत्कृष्ट सेवा देने के हमारे लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

रूस ने सुदूर-पूर्व और चेन्नई के बीच समुद्री मार्ग विकसित करने में रुचि दिखाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

व्लादिवोस्तोक (रूस)। रूस ने व्लादिवोस्तोक और भारत के दक्षिणी महानगर के बीच एक वैकल्पिक समुद्री मार्ग विकसित करने सहित कारोबारी अवसरों का पता लगाने के लिए चेन्नई में एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भेजने की इच्छा जताई दिखाई है।

सरकारी बयान के अनुसार, रूस के ऊर्जा उप-मंत्री सर्गेई मोचलनिकोव और रूसी संघ के आर्थिक विकास मंत्रालय के मैक्सिम रेशेतनिकोव के नेतृत्व में रूसी प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक के दौरान यहां केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल को यह जानकारी दी गई। सोनोवाल ने रूस के सुदूर-पूर्व और भारत के बंदरगाह अधिकारियों, रूसी रेलवे, दोनों देशों की लॉजिस्टिक्स' और पोत परिवहन कंपनियों, भारत और रूस सहित अन्य स्थानों के कोकिंग कोयला कारोबार के ट्रांसपोर्टर के बीच एक आम बैठक का मंच प्रदान करने के लिए चेन्नई में पूर्वी समुद्री गलियारे पर भारत-रूस कार्यशाला के लिए निमंत्रण भी दिया। सोनोवाल आठवीं पूर्वी आर्थिक मंच की बैठक में हिस्सा लेने के लिए एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए व्लादिवोस्तोक में हैं।

बयान में कहा है कि रूस सरकार ने द्विपक्षीय चर्चा के माध्यम से अवसरों और संभावनाओं का पता लगाने के लिए एक बड़े व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल के साथ चेन्नई बंदरगाह का दौरा करने की इच्छा व्यक्त की। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पूर्वी समुद्री गलियारे (ईएमसी) के संचालन से भारत और रूस के बीच व्यापार संबंधों के एक नए युग की शुरुआत होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व के तहत भारत अभिनव समाधान निकालने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है। इस कार्यशाला का आयोजन 30 अक्टूबर से एक नवंबर, 2023 तक चेन्नई में करने का प्रस्ताव है। भारत के समुद्री कार्यक्रम और उसके प्रमुख कार्यक्रम सागरमाला का उल्लेख करते हुए सोनोवाल ने कहा कि 2015 में भारत के समुद्र तट और जलमार्गों की पूरी क्षमता को खोलकर लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह परियोजना शुरू की गई थी। सागरमाला का दृष्टिकोण बंदरगाह नीत विकास के माध्यम से अनुकूलित बुनियादी ढांचे में निवेश के साथ घरेलू और एक्जिम कार्गो दोनों के लिए 'लाजिस्टिक्स' की लागत को कम करना है। वर्तमान में, सागरमाला परियोजना के तहत वर्ष 2035 तक कार्यान्वयन के लिए 65 अरब डॉलर से अधिक के निवेश की 802 परियोजनाएं हैं। इनमें से 14.6 अरब डॉलर की 228 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं और 27 अरब डॉलर की 260 परियोजनाएं कार्यान्वयन के स्तर पर हैं।

बाघ को जहर देकर मारने के आरोप में एक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। बाघ को जहर देकर मारने के आरोप में तमिलनाडु के वन अधिकारियों ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान गाय और बकरी पालने वाले किसान शेखर के रूप में की गई है। शनिवार शाम को नीलगिरी में हिमस्खलन बांध के पास 3 और 8 साल की उम्र के दो बाघों के शव पाए गए।

वन विभाग ने जांच शुरू की और दोनों मृत बाघों का पोस्टमार्टम किया। जांच में यह पाया गया कि एक बाघ की मौत कीटनाशक जहर के कारण हुई, जबकि दूसरे की मौत दूसरे बाघ से लड़ाई के कारण हुई। बाघ के शव के पास ही एक गाय का शव भी था। नीलगिरी वन प्रभाग ने बाघ की मौत की जांच के लिए 20 वन कर्मियों की एक टीम गठित की थी और उस गाय के मालिक से पूछताछ की थी जिसका शव बाघों के अवशेषों के पास मिला था।

वन विभाग ने गाय के मालिक से पूछताछ करने पर पाया कि उसने ही गाय को जहर दिया था। किसान शेखर को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

'कर्नाटक सरकार के अफसरों को घर से काम करने की अनुमति नहीं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए घर से काम करने की अनुमति नहीं है। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने जिला आयुक्तों और जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों की बैठक में कहा, 'जिला और तालुक केंद्रों के अधिकारियों को घर से काम नहीं करना चाहिए। घर पर बैठकर काम न कर। घर से काम करने की अनुमति नहीं है। अगर इससे

लोगों को परेशानी होगी तो सरकार बर्दाश्त नहीं करेगी।'

जनता, विधायकों और मंत्रियों की भी शिकायतें हैं कि अधिकारी फोन कॉल का जवाब नहीं देते हैं। यह ठीक नहीं है। आपको कॉल का जवाब देना चाहिए, कॉल चाहे मुख्यमंत्री कार्यालय से हो, मंत्रियों के हों, विधायकों के हों या आम लोगों के हा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि सभी विधायक, चाहे वे किसी भी दल के हों, प्रोटोकॉल का अनिवार्य रूप से पालन कर। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अधिकारियों की लापरवाही और अभद्रता के कारण सरकार की बदनामी हुई तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सिद्दरामैया ने डीसी और जिला पंचायत सीईओ को स्पष्ट निर्देश दिया कि वे मंत्रियों और विधायकों को सप्ताह में एक बार तालुका स्तर पर सार्वजनिक बैठकें आयोजित करने और उनकी शिकायतों का जवाब देने के लिए आमंत्रित कर। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों से सवाल किया कि ''लोग छोटी-छोटी समस्याओं के लिए मेरे पास आते हैं तो आप किसलिए हैं।'' मुख्यमंत्री बनने के बाद मैंने कई जिलों का दौरा किया है। इस दौरान आम लोगों ने सैकड़ों अनुरोध किये। लोग मेरे पास ऐसी समस्याएं लेकर आ रहे हैं, जिन्हें जिला और तालुक स्तर पर हल करने की जरूरत है। यदि आप सार्वजनिक बैठकें करते और तुरंत समाधान करते तो ऐसा नहीं होता। उन्होंने कहा, एक सप्ताह के भीतर कुछ मुद्दों का समाधान प्रदान कर। फिर से जांचें कि क्या समस्या हल हो गई है। फिर लोगों को मेरे पास नहीं आना पड़ेगा।

कर्नाटक फिलहाल कावेरी का पानी तमिलनाडु को देने की स्थिति में नहीं : उपमुख्यमंत्री शिवकुमार

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने मंगलवार को कहा कि नदी घाटी क्षेत्र में बारिश कम होने की वजह से राज्य फिलहाल कावेरी नदी का पानी पड़ोसी तमिलनाडु को देने की स्थिति में नहीं है। कावेरी नदी के जल का बहाव फिलहाल राज्य से तमिलनाडु की ओर नहीं होने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्लयूएमए) में कर्नाटक के अधिकारी कम से कम पीने के लिए पानी बचाने की अपील करेंगे। जल संसाधन मंत्री का भी प्रभार संभाल रहे शिवकुमार ने कहा, 'कावेरी मुद्दे पर हमारे अधिकारी फिलहाल बैठक में शामिल हो रहे हैं। हमारे यहां बारिश नहीं हुई है, इसलिए पानी नहीं है, हम उन्हें (सीडब्लयूएमए) इस तथ्य से अवगत कराएंगे। हम उन्हें बताएंगे कि पानी नहीं है, आलम यह है कि पीने का पानी मुहैया कराना भी मुश्किल हो रहा है....कृपया हमें कम से कम पीने का पानी बचाने की इजाजत द। प्राधिकरण से हमारी यही अपील है।' उन्होंने कहा, 'पानी अब नहीं जा (तमिलनाडु) रहा है...बारिश नहीं हुई है। आप सभी बारिश के लिए प्रार्थना कर।'

सुविचार

मिट्टी का मटका और परिवार की क़ीमत, सिर्फ बनाने वाले को ही पता होती है, तोड़ने वाले को नहीं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

उचित समय पर समाधान

इक्कीसवीं सदी में ऐसी कई समस्याएं हैं, जिनका उचित समय पर समाधान नहीं ढूंढ़ा गया तो पर्यावरण को गंभीर नुकसान हो सकते हैं। इनके प्रभावों से मनुष्य नहीं बच सकता। आज जलवायु परिवर्तन एक बड़ा मुद्दा है। हर साल वायु प्रदूषण पर आने वाली अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टें बताती हैं कि कई शहरों में हालात बड़े मुश्किल होते जा रहे हैं। इनमें भारत के शहर भी शामिल हैं। ईंधन की कीमतों के कारण आज भी एक बड़ी आबादी भोजन पकाने में लकड़ी या कोयले का इस्तेमाल कर रही है। इससे वायुमंडल में धुआं घुल रहा है। इन समस्याओं पर लिखा, बोला तो खूब जाता है, लेकिन समाधान की दिशा में उतने कदम नहीं उठाए जाते। आज समय आ गया है कि सभी देशों की सरकारें गंभीरता से विचार करें और धरती बचाने के लिए ठोस पहल पर अमल करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाहन विनिर्माताओं के संगठन सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के वार्षिक सम्मेलन में अपने संदेश में उचित ही कहा है कि 'एक ऐसा गतिशील पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने की जरूरत है, जो टिकाऊ तथा पर्यावरण के अनुरूप हो।' निस्संदेह विकास जरूरी है, लेकिन यह पर्यावरण को नुकसान पहुंचाकर नहीं होना चाहिए। अन्यथा आज का विकास भविष्य में मुसीबत बन सकता है। प्रधानमंत्री ने एथनॉल, फ्लेक्स फ्यूल, सीएनजी, बायो-सीएनजी, हाइब्रिड इलेक्ट्रिक और हाइड्रोजन जैसी कई वैकल्पिक प्रौद्योगिकियों का हवाला देते हुए कार्बन उत्सर्जन तथा तेल आयात पर भारत की निर्भरता कम करने के लिए ठोस प्रयास जारी रखने और उन्हें अधिक बढ़ाने की जरूरत पर भी जोर दिया, जो आज अत्यधिक प्रासंगिक हैं। हमें तेल के बजाय ऐसी प्रौद्योगिकियों को अपनाना होगा, जो पर्यावरण की 'मित्र' हैं।

सियाम के वार्षिक सम्मेलन में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भी बढ़ते प्रदूषण स्तर को स्वास्थ्य के लिए चिंता का गंभीर विषय बताकर डीजल वाहनों पर निर्भरता कम करने का संकेत दिया। हालांकि बाद में उन्होंने यह भी स्पष्टीकरण दिया कि डीजल वाहनों पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त कर लगाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। गडकरी ने एथनॉल जैसे पर्यावरण-अनुकूल वैकल्पिक ईंधन और हरित हाइड्रोजन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा, जिसकी आज सख्त जरूरत है। यह सुखद है कि देश में इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रति लोगों का रुझान बढ़ रहा है। अगर एथनॉल और हरित हाइड्रोजन जैसे विकल्प लोकप्रिय होंगे तो इससे न केवल प्रदूषण की समस्या का ठोस समाधान निकलेगा, बल्कि विदेशी मुद्रा भंडार भी मजबूत होगा। वर्ष 2070 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने के लिए अभी से तैयारी करनी होगी। वहीं, भोजन पकाने में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देना होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी ऊर्जा के इस स्वरूप पर बहुत जोर देते हैं। हाल में घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत में कटौती की गई थी, लेकिन यह अब भी मध्यम वर्गीय परिवार की रसोई के लिए ज्यादा है। जब गैस सिलेंडर की कीमत बढ़ती है, तो इन परिवारों की चिंता भी बढ़ जाती है। इसका स्थायी समाधान ढूंढ़ना होगा, जो सौर ऊर्जा में नजर आता है। सरकार को चाहिए कि वह सोलर स्टोव के उपयोग को बढ़ावा दे। यह सूर्य की धूप से गर्म होने वाला ऐसा चूल्हा है, जिस पर दिन में आसानी से खाना पकाया जा सकता है। इसके अलावा बैटरी जुड़ी होने से रात को भी इस्तेमाल किया जा सकता है। मध्य प्रदेश का बांचा गांव सौर ऊर्जा से खाना पकाने के लिए विख्यात हो चुका है। देश के अन्य गांव और शहर भी इससे प्रेरणा लेकर क्रांतिकारी बदलाव ला सकते हैं। इन दिनों अफ्रीका के कई गांवों में एक खास तरह का सोलर चूल्हा बहुत लोकप्रिय हो रहा है। धातु की एक गोल छतरी पर बहुत सारे छोटे दर्पण लगाकर तैयार किया गया यह चूल्हा धूप में खूब काम करता है। इस पैराबोलिक सोलर स्टोव को देखकर लोग चकित हैं, क्योंकि इससे उनका गैस सिलेंडर / परंपरागत ईंधन पर होने वाला काफी खर्च बच जाता है। हमारे देश में इसके सफल होने के लिए पर्याप्त संभावनाएं मौजूद हैं। कुछ जगहों पर इसका उपयोग हो रहा है। अगर सरकार इसे बढ़ावा दे तो यह कमाल कर सकता है।

ट्वीटर टॉक

कांग्रेस सरकार के खिलाफ पहले सरकार में मंत्री अशोक चांदना जी ने धरना दिया और अब पूर्व मंत्री भरत सिंह जी ने विरोध स्वरूप मुंडन करवाया है। राजस्थान में कांग्रेस की विदाई और भाजपा के सत्ता में आगमन के साथ ही सुशासन आयेगा और राजस्थान के माथे से भ्रष्टाचार का कलंक मिटेगा।

-राजेन्द्र राठौड़

नमो अरिहंताणं। नमो सिद्धाणं। नमो आयरियाणं। शान्ति, त्याग, तपस्या एवं सद्भाव का पवित्र पर्व 'पर्युषण' की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। समर्पण के इस महापर्व के शुभ अवसर पर मैं प्रदेश की खुशहाली व समृद्धि की कामना करता हूँ।

-गोविंद सिंह डोटासरा

चाकसु से निवाई परिवर्तन संकल्प यात्रा-1 में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं हजारों की संख्या में आमजन ने अपनी सहभागिता सुनिश्चित की। परिवर्तन यात्रा जन-जन की परिवर्तन यात्रा बन चुकी है और गहलोत के जंगल राज को उखाड़ने के लिए आम जन तैयार हैं।

-अरुण सिंह

प्रेरक प्रसंग

अहंकार की पहचान

एक मूर्तिकार ऐसी मूर्तियां बनाता था, जो वास्तव में सजीव लगती थीं। लेकिन उस मूर्तिकार को अपनी कला पर बड़ा घमंड था। उसे जब लगा कि जल्दी ही उसकी मृत्यु होने वाली है तो वह परेशानी में पड़ गया। यमदूतों को भ्रमित करने के लिए उसने एकदम अपने जैसी दस मूर्तियां बना डालीं और योजनानुसार उन बनाई गई मूर्तियों के बीच में वह स्वयं जाकर बैठ गया। यमदूत जब उसे लेने आए तो एक जैसी ग्यारह आकृतियां देखकर स्तब्ध रह गए। इनमें से वास्तविक मनुष्य कौन है, नहीं पहचान पाए। वे सोचने लगे, अब क्या किया जाए। मूर्तिकार के प्राण अगर न ले सके तो सृष्टि का नियम टूट जाएगा और सत्य परखने के लिए मूर्तियां तोड़े तो कला का अपमान होगा। अचानक एक यमदूत को मानव स्वभाव के सबसे बड़े दुर्गुण अहंकार की याद आई। उसने चाल चलते हुए कहा, 'काश! इन मूर्तियों को बनाने वाला मिलता तो मैं उसे बताता कि मूर्तियां तो अति सुंदर बनाई हैं, लेकिन इनको बनाने में एक त्रुटि रह गई।' यह सुनकर मूर्तिकार का अहंकार जाग उठा कि इस कार्य में तो मैंने अपना पूरा जीवन समर्पित किया है। वह बोल उठा, 'कैसी त्रुटि'? झट से यमदूत ने उसका हाथ पकड़ लिया और बोला, 'बस यही त्रुटि कर गए तुम, अहंकार में भूल गए कि बेजान मूर्तियां बोला नहीं करतीं।'

सामयिक

जी-20 सम्मेलन से विश्व बिरादरी में बढ़ी भारत की प्रतिष्ठा

राजेश माहेश्वरी

इसमें कोई दो राय नहीं है कि तमाम तरह की आशंकाओं को दरकिनार करते हुए जी-20 सम्मेलन भव्यता और गर्वितभाव से संपन्न हुआ। इस पूरे आयोजन का श्रेय मोदी सरकार और देष की जनता को जाता है। टीम मोदी ने जिस बेहतर तरीके से इस बड़े आयोजन को पूर्णता तक पहुंचाया उसकी जितनी तारीफ की जाए उतनी कम है। सफल सम्मेलन के बाद विश्वबिरादरी में भारत की प्रबंधन क्षमता के साथ ही कूटनीतिक कौशल की जय-जयकार हो रही है। पिछले साल जी-20 की मेजबानी मिलने के बाद से ही भारत सरकार इसकी तैयारियों में जुट गई थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक इसकी तैयारी को लेकर देश के 50 से अधिक शहरों में करीब 200 बैठकों का आयोजन किया गया। जी-20 विश्वके 20 सबसे ताकतवर देशों का एक समूह है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक, कूटनीतिक और पर्यावरण के मुद्दों पर विचार-विमर्श करता है। साथ ही इसका हल निकालने की कोशिश करता है। वास्तव में इस आयोजन की तैयारी इस तरीके से की गई थी कि विदेशी मेहमानों को भारत की विरासत और सांस्कृतिक खूबसूरती का सहज अनुभव हो सके।

भारत की आंचलिक विविधता के साथ ही सांस्कृतिक विरासत को जिस प्रभावशाली ढंग से विदेशी मेहमानों के समक्ष पेश किया गया उससे इस सम्मेलन की खूबसूरती और बढ़ गई। राजघाट पर महात्मा गांधी की समाधि के समक्ष 20 राष्ट्रप्रमुखों का एक साथ श्रद्धावनत खड़े होने का दृश्य भारतीय चिंतन के प्रति वैश्विक स्वीकृति का प्रमाण कहा जा सकता है। विकसित और विकासशील देशों के प्रतिनिधियों के अलावा अनेक अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संगठनों के जो प्रमुख इस सम्मेलन के दौरान दिल्ली में उपस्थित रहे वे सब भी बदले हुए भारत को देखकर अभिभूत हो उठे। भारत ने जी-20 शिखर सम्मेलन को सफल बनाने के लिए अपने कूटनीतिक कौशल का जैसा परिचय दिया है, वैसा इसके पहले शायद ही इस समूह की अध्यक्षता करने वाले किसी देश ने दिया हो।

जी-20 समिट भारत के लिहाज से काफी कामयाबी वाला रहा। जहां एक ओर भारत ने अफ्रीकी देशों के संगठन को जी-20 देशों के समूह में शामिल करा लिया। वहीं सर्वसम्मति से नई दिल्ली घोषणापत्र पारित करा दिया। यही नहीं, घोषणापत्र में रूस यूक्रेन की जंग को लेकर रूस को कटघरे में न खड़ा करना, यह भारत के लिए बड़ी कूटनीतिक उपलब्धियों वाला रहा। भारत के इस कदम से रूस भी हैरान हो गया। रूसी विदेश मंत्री ने भी भारत के इस कदम की सराहना की। यहां तक कि इस मामले में चीन ने भी जी-20 को सराहा और सफल आयोजन पर चीनी सरकार के मुखपत्र 'ग्लोबल टाइम्स' ने तारीफ की।

भारत ने न केवल सतत एवं समावेशी विकास को प्राथमिकता दी बल्कि लैंगिक समानता जैसे विषयों को भी महत्व दिया। इसके साथ ही उसने इस पर भी बल दिया कि डिजिटल क्रांति का लाभ विश्वके निर्धन-वंचित लोगों को भी मिलना चाहिए। मोदी सरकार ने देश के अनेक हिस्सों में जी-20 के विभिन्न समूहों की बैठकें आयोजित कर विश्वको देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विविधता से परिचित कराया। यह सम्मेलन भारत के आर्थिक, सामरिक और कूटनीतिक हितों की दृष्टि से बेहद उपयोगी साबित हुआ। विशेष रूप से मध्य पूर्व से होते हुए यूरोप तथा अमेरिका तक के जिस कारीडोर के प्रस्ताव को इस सम्मेलन में अंतिम रूप दिया गया वह प्रधानमंत्री मोदी की बड़ी सफलता है क्योंकि इसके कारण चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग के वन बेल्ट वन रोड नामक प्रकल्प की बची खुची हवा भी निकल गई। जिस तरह से इस परियोजना से एक के बाद एक देश हाथ खींचते जा रहे हैं उससे जिनपिंग की चमक और धमक दोनों में कमी आई है। यहां तक कि उसके पिट्ठु पाकिस्तान तक में उसका विरोध होने लगा। अनेक देशों ने वन बेल्ट वन रोड से अपने हाथ खींचकर प्राचीन सिल्क रूट को पुनर्जीवित करने की चीन की योजना को पलीता लगा दिया है।

इसी तरह अफ्रीका यूनियन को जी-20 का सदस्य बनवाने में भी प्रधानमंत्री ने उल्लेखनीय भूमिका का निर्वहन किया। अफ्रीकी संघ को जी-20 में शामिल किए जाने के बाद जब प्रधानमंत्री मोदी ने अफ्रीकी यूनियन के अध्यक्ष अजाली औसमानी को गले लगाया तो उन्होंने कहा कि यह उनके लिए भावनात्मक पल था। अजाली औसमानी ने कहा कि मैं रोने वाला था। यह मुझे बहुत भावुक करने वाला था।

क्योंकि वास्तव में, हमने सोचा था कि इस पर बहस होगी और फिर कोई निर्णय लिया जाएगा, लेकिन शिखर सम्मेलन की शुरुआत में ही यह घोषणा की गई कि हम इसके एक सदस्य हैं। इस सम्मेलन की सबसे खास बात ये रही कि भले ही रूस के राष्ट्रपति पुतिन और चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग नई दिल्ली नहीं आए किंतु साझा घोषणापत्र पर जिस तरह सर्वसम्मति बनी वह भारतीय कूटनीति का ही कमाल कहा जायेगा। इसी तरह यूक्रेन के मामले में भी जिस तरह का संयमित रवैया प्रदर्शित किया गया वह सम्मेलन में शामिल सदस्यों की परिपक्वता का प्रमाण बन गया।

भारत की अध्यक्षता में जी-20 शिखर सम्मेलन अपने मूल एजेंडा और परिणामों के मामले में इतिहास का सबसे महत्वाकांक्षी व सफल सम्मेलन साबित हुआ है। इसमें कुल 112 परिणाम दस्तावेज व अध्यक्षीय दस्तावेज तैयार किए गए। पिछले सम्मेलन से तुलना करें, तो यह दोगुने से भी ज्यादा है। इसी वजह से इसे अब तक का सबसे सफल सम्मेलन माना जा रहा है। इनमें 73 परिणाम दस्तावेज यानी आउटकम डॉक्यूमेंट्स हैं, जो सदस्य देशों के मंत्रियों की ओर से बीते महीनों में देश के विभिन्न शहरों में हुई बैठकों में बनी सहमति पर तैयार हुए हैं। इन्हें लाइन ऑफ एफर्ट दस्तावेज भी कहते हैं। वहीं, 39 संलग्न दस्तावेज हैं, जिन्हें कार्य समूह के दस्तावेजों से अलग अध्यक्षीय दस्तावेज कहा जाता है। जी- 20 दिल्ली घोषणा पत्र के जरिये भारत ने दुनिया के लिए संयुक्त सुनहरा भविष्य बुन दिया है। भारत ने अपनी बात पर खरा उतरकर दिखाया। 16 नवंबर, 2022 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाली में जी-20 शिखर सम्मेलन के समापन के दौरान हैंडओवर कार्यक्रम में बताया था कि भारत की जी-20 अध्यक्षता के लिए उनका मंत्र या दृष्टिकोण क्या है, और क्या होगा दृ समावेशी, महत्वाकांक्षी, निर्णायक और कार्योन्मुखी- ये चार शब्द थे। आज, 10 महीने बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत ने साबित कर दिखाया कि दुनिया के लिए सबसे चुनौतीपूर्ण समय में भी भारतीय वह हासिल कर सकते हैं, जो उन्होंने तय किया है। स्पष्ट है कि जी-20 सम्मेलन के बाद भारत के प्रति विश्वसमुदय की धारणा जरूर बदलेगी।

वास्तव में ऐसा होने भी लगा है, क्योंकि दुनिया के कई बड़े और कहीं अधिक उन्नत देश इससे चकित हैं कि भारत ने तकनीक का किस तरह बड़े पैमाने पर उपयोग कर अपने लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने के साथ उनके जीवन को सुगम बनाया है। जी-20 शिखर सम्मेलन का निष्कर्ष कुछ भी हो, यह तय है कि भारत का अंतरराष्ट्रीय कद एवं उसकी महत्ता और अधिक बढ़ने वाली है। इस आयोजन के बाद भारत का कद विश्वसमुदया में पहले से और ऊंचा हुआ है जिसके कारण विरोधियों का चिंतित होना स्वाभाविक है।

चिंतन

अब अदालतें भी चिन्तित हैं माता-पिता की उपेक्षाओं पर

ललित गर्ग

मोबाईल : 9811051133

नये बन रहे समाज एवं पारिवारिक संरचना में माता-पिता का जीवन एक त्रासदी एवं समस्याओं का पहाड़ बनता जा रहा है, समाज में बच्चों के द्वारा बुजुर्ग माता-पिता की उपेक्षाओं एवं उनके प्रति बरती जा रही उदासीनता इतनी अधिक बढ़ गयी है कि अदालतों को दखल देना पड़ रहा है। माता-पिता भोजन-पानी, दवाई, जरूरत की चीजों से महरूम ही नहीं हो रहे हैं बल्कि उनके सम्मान की स्थितियां भी नगण्य होती जा रही है। वृद्ध माता-पिता की यह दुर्दशा एक विकराल समस्या के रूप में उभर रही है। सुविधावाद, भौतिकता एवं धन के बढ़ते वर्चस्व के बीच माता-पिता अपने ही बच्चों की प्रताड़ना के शिकार है। ऐसी बढ़ती समस्याओं पर नियंत्रण के लिये अदालतों को न सिर्फ दखल देना पड़ रहा है बल्कि बच्चों को पाबंद करना पड़ रहा है कि वे अपने बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल करें और उनको सम्मान दें। मद्रास उच्च न्यायालय का ऐसा ही एक फैसला आज के समाज में खून के रिश्तों पर सवाल खड़ा करने वाला है। न्यायालय ने अपने फैसले में साफ किया है कि बुजुर्ग अभिभावकों की इच्छा पूरी करना बच्चों का दायित्व है। न्यायालय का यह फैसला सिर्फ किसी बच्चे और अभिभावकों के बीच संपत्ति विवाद तक सीमित नहीं है। इसे व्यापक अर्थों में देखने और समझने की जरूरत है। संवेदनशील मानसिकता के निर्माण से समाज का माहौल बदल सकता है। अदालत चाहती है कि वृद्ध माता-पिता को उदासीनता एवं उपेक्षा से मुक्ति देकर उन्हें सुरक्षा कवच मानने की सोच को विकसित किया जाये ताकि एक आदर्श परिवार की संरचना को जीवंत किया जा सके एवं वृद्धों के स्वास्थ्य, निष्कंटक एवं कुंठारहित जीवन को प्रबंधित किया जा सकता है। वृद्धों को बंधन नहीं, आत्म-गौरव के रूप में स्वीकार करने की अपेक्षा को अदालत ने उजागर कर समाज को जागृत करने का सराहनीय काम किया है।

वर्तमान युग की बड़ी विडम्बना एवं विसंगति है कि वृद्ध अपने ही घर की दहलीज पर सहमा-सहमा खड़ा है, वृद्धों की उपेक्षा स्वस्थ एवं सुसंस्कृत परिवार परम्परा पर काला दाग बनता जा रहा है। अदालत की यह संवेदनशील सोच है जिससे बच्चों एवं माता-पिता के बीच बढ़ते फासलों को दूर किया जा सकता है, अदालत चाहती है कि ऐसा परिवेश निर्मित हो जिसमें परिवार के वृद्ध हमें कभी बोझ के रूप में दिखाई न दें, हमें यह कभी नहीं सोचना पडे. कि इनकी उपस्थिति हमारी स्वतंत्रता को बांधित करती है।

उन्हें पारिवारिक धारा में बांधकर रखा जाये। लेकिन हम सुविधावादी एकांगी एवं संकीर्ण सोच की तंग गलियों में भटक रहे हैं तभी वृद्ध माता-पिता की आंखों में भविष्य को लेकर भय है, असुरक्षा और दहशत है, दिल में अन्तहीन दर्द है। इन त्रासद एवं डरावनी स्थितियों से वृद्ध माता-पिता को मुक्ति दिलानी होगी। सुधार की संभावना हर समय है। हम पारिवारिक जीवन में वृद्ध माता-पिता को सम्मान दें, इसके लिये सही दिशा में चले, सही सोचें, सही करें। वृद्ध माता-पिता से जुड़े मामलों का बोझ अदालतों में बढ़ना एक गंभीर समस्या है, इसके लिये आज विचारक्रांति ही नहीं, बल्कि व्यक्तिक्रांति एवं परिवार-क्रांति की जरूरत है।

मंथन

जी-20 में नीतीशकुमार की उपस्थिति, एक तीर दो शिकार

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

बिहार में भाजपा के साथ गठबंधन तोड़ने के एक साल से भी ज्यादा समय बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की दिल्ली में जी20 रात्रिभोज पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मुलाकात क्या हुई, राजनीति में तरह-तरह की अटकलबाजियों का बाजार गर्म होने लगा। सारी अटकलबाजियों की जड़ एक तस्वीर है, जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल है। इसमें प्रधानमंत्री मोदी बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का परिचय अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से कराते नजर आ रहे हैं। तस्वीर में बाइडेन के साथ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी मौजूद हैं। खुद प्रधानमंत्री मोदी ने भी अपने सोशल मीडिया पर इसे पोस्ट किया था। इंडिया गठबंधन के कई मुख्यमंत्री जी20 डिनर से दूर रहे। गौरतलब है कि जी20 डिनर के लिए 'प्रेसिडेंट ऑफ भारत' के नाम से देश के सभी राज्यों के मुख्यमंत्री को निमंत्रण भेजा गया था। लेकिन, इससे विपक्षी इंडिया गठबंधन के कई मुख्यमंत्रियों ने अलग-अलग कारणों से कन्नी काट लिया। जिस तस्वीर की बात हम कर रहे हैं, वह इसलिए खास है कि इसमें मौजूद दोनों ही मुख्यमंत्री इंडिया गठबंधन के ही सदस्य हैं।

कई महीनों बाद प्रधानमंत्री मोदी से हुई नीतीश की मुलाकात पहले जी20 डिनर में विपक्ष शासित राज्यों के जिन मुख्यमंत्रियों के शामिल होने की संभावना सबसे कम लग रही थी, उसमें नीतीश सबसे प्रमुख थे। क्योंकि, वे पिछले कई महीनों में ऐसे तमाम कार्यक्रमों में नहीं पहुंचे थे, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल होने वाले थे। यही नहीं विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन के भी असली सूत्रधार वही हैं, जिसका मुख्य एजेंडा ही प्रधानमंत्री मोदी और उनकी अगुवाई वाली बीजेपी-एनडीए का विरोध करना है। इंडिया बैठक की पहली बैठक उन्होंने पटना में ही आयोजित करवाई थी और उसकी कमान भी उन्होंने ही संभाली थी।

गौरतलब है कि नीतीश कुमार भले ही इस वक्त इंडिया गठबंधन का हिस्सा हैं और 2024 लोकसभा चुनाव से पहले विपक्ष को एकजुट करने में उन्होंने अगुआ की भूमिका निभाई है, मगर इस गठबंधन की बेंगलुरु और मुंबई में हुई बैठकों में जिस तरीके से नीतीश कुमार की एक नेता की भूमिका में नजर आ रहे थे मगर बेंगलुरु और मुंबई की बैठक को कांग्रेस ने जिस तरीके से हाईजैक किया है उसके बाद नीतीश कुमार अब इस विपक्षी गठबंधन में अलग-थलग नजर आने लगे। नीतीश कुमार जिन्होंने विपक्षी दलों को एकजुट किया और इंडिया गठबंधन के बनने के बाद उन्हें इस बात की उम्मीद थी कि सभी विपक्षी दल के नेता उन्हें इस गठबंधन का संयोजक बनाएंगे, मगर ऐसा कुछ भी अब तक नहीं हुआ। सूत्रों से मिली जानकारी के दौरान नीतीश कुमार को उम्मीद थी कि मुंबई की बैठक में गठबंधन के संयोजक के नाम का ऐलान किया जाएगा मगर आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद ने नीतीश के साथ बड़ा खेल कर, दिया जिसके बाद विपक्षी गठबंधन में किसी भी संयोजक के नाम की घोषणा नहीं हुई बल्कि इससे अलग से 14 सदस्य कोऑर्डिनेशन कमेटी का गठन कर दिया गया। सूत्रों के मुताबिक, नीतीश कुमार के संयोजक नहीं बनने के पीछे की बड़ी वजह आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद हैं। दरअसल, जो जानकारी सामने आ रही है उसके मुताबिक लालू और कांग्रेस ने आपस में मिलकर नीतीश कुमार का खेल बिगाड़ दिया है। बताया जा रहा है कि नीतीश कुमार जहां उम्मीद कर रहे थे कि मुंबई की बैठक में उन्हें संयोजक बनाया जाएगा, वहीं दूसरी तरफ लालू ने नीतीश का खेल बिगाड़ते हुए यह घोषणा कर दी थी कि इससे विपक्षी गठबंधन में एक नहीं बल्कि 3 या 4 संयोजक बनाए जा सकते हैं और प्रत्येक संयोजक को तीन या चार राज्यों की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। मुंबई की बैठक में हुआ भी ऐसा ही। किसी भी एक संयोजक के नाम का ऐलान नहीं हुआ और इससे अलग इंडिया गठबंधन के कोआर्डिनेशन कमेटी के नाम की घोषणा हो गई।

गौरतलब है कि पिछले साल जब द्रौपदी मुर्मू देश की राष्ट्रपति बनी थीं तो उस वक्त नीतीश कुमार एनडीए में ही थे, मगर द्रौपदी मुर्मू के शपथ ग्रहण समारोह में वह शामिल नहीं हुए थे। ऐसे में सवाल खड़े हो रहे हैं कि इस बार जब नीतीश कुमार विपक्ष में हैं तो आखिर ऐसा क्या हो गया कि राष्ट्रपति के रात्रि भोज के कार्यक्रम में नीतीश कुमार पहुंच गए, जबकि विपक्षी गठबंधन के कई मुख्यमंत्रियों ने ऐसे कार्यक्रम से अपने आप को दूर रखा? इसका जवाब दरअसल यह है कि नीतीश कुमार की विपक्षी गठबंधन में हो रही लगातार अनदेखी को ध्यान में रखते हुए नीतीश कुमार ने राष्ट्रपति के भोज कार्यक्रम में शामिल होने का दांव चला ताकि विपक्षी दलों को इस बात का एहसास कराया जा सके कि नीतीश कुमार के रास्ते और विकल्प पूरी तरीके से खुले हुए हैं और अगर उन्हें इंडिया गठबंधन में कोई महत्वपूर्ण और बड़ी भूमिका नहीं मिली तो वह दोबारा भाजपा के साथ भी जा सकते हैं। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर का भी मानना है कि नीतीश कुमार के राष्ट्रपति के भोज कार्यक्रम में शामिल होने के कदम इसी से जुड़ा है। इंडिया गठबंधन में लालू के एक्टिव होने के बाद नीतीश कुमार, जो अलग-थलग हो चुके हैं उन्होंने भी लालू और कांग्रेस को अपने तरीके से चेतावनी दे दी है कि उनकी भूमिका को विपक्षी गठबंधन में दरकिनार ना किया जाए।

माना जा रहा है कि भाजपा के बड़े नेताओं ने भले ही नीतीश कुमार को लेकर यह ऐलान कर रखा है कि अब उनकी तीसरी बार दोबारा एनडीए में एंट्री नहीं होगी मगर भाजपा को इस बात का एहसास है कि जब नीतीश कुमार का साथ उन्हें मिला था तो 2019 लोकसभा चुनाव में 40 में से 39 सीटें एनडीए गठबंधन ने जीती थीं। वहीं 2024 में भी यह तभी संभव होगा जब नीतीश कुमार लालू से अलग हटकर एक बार फिर एनडीए में आ जाएं। भाजपा को एहसास है कि अगर नीतीश कुमार एक बार फिर से एनडीए में शामिल हो जाते हैं तो बिहार में इसका फायदा उन्हें मिलेगा। मगर दूसरा सवाल यह भी खड़ा होता है कि क्या भाजपा इस बात का जोखिम उठाएगी कि जो नीतीश कुमार, जिनकी बिहार में राजनीतिक कद काफी घट चुकी है और जिन की विश्वसनीयता भी लगभग समाप्त हो चुकी है उन्हें फिर से मुख्यमंत्री बनाए और फिर उन्हीं के नेतृत्व में 2024 का लोकसभा चुनाव लड़े? नीतीश कुमार अगर दोबारा भाजपा के साथ आते हैं तो किस रूप में आएंगे और किस तरीके से भाजपा उन्हें अपने साथ ले गई इसको भी लेकर अभी बड़े सवाल खड़े हो रहे हैं। हाल फ़िलहाल तो नीतीशकुमार ने एक तीर से दो निशान साध दिए है ।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जानकारी

एआईसीसी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को कुल्लू बाढ़ प्रभावित लोगों का हाल जाना।

एतिहाद एयरवेज ने कैटरीना कैफ को बनाया अपना ब्रांड एंबेसडर

मुंबई/भाषा

संयुक्त अरब अमीरात की राष्ट्रीय एयरलाइन एतिहाद एयरवेज ने अभिनेत्री कैटरीना कैफ को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया है।इससे पहले कैटरीना ने 2010 में भी एतिहाद के साथ काम किया था।

एयरलाइन की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, एतिहाद के ब्रांड एंबेसडर के रूप में कैटरीना कंपनी की प्रचार के लिए बनाई जाने वाली वीडियो में नजर आएंगी।

बयान में कहा गया कि एयरलाइन के साथ उनकी साझेदारी भारतीय बाजार में एतिहाद को और मजबूत स्थिति में लाएगी। यह भारत में निरंतर वृद्धि के लिए एयरलाइन की रणनीति के अनुरूप है।

एतिहाद एयरवेज में ब्रांड, विपणन एवं प्रायोजन की उपाध्यक्ष

अमीना ताहेर ने कहा, हम अपने ब्रांड एंबेसडर के रूप में एतिहाद एयरवेज परिवार में कैटरीना कैफ का स्वागत करते हैं।

कैटरीना कैफ ने कहा, मैं इस टीम का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हूं जिसका लक्ष्य विचारशील संबंध स्थापित करना है। मैं एतिहाद का प्रतिनिधित्व करने तथा उनकी यात्रा का हिस्सा बनने के लिए उत्सुक हूं।

प्रदर्शन

तिरुवनंतपुरम में मंगलवार को मोस्ट बैकवर्ड कम्युनिटी फेडरेशन (एमबीसीएफ) के सदस्यों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर क्लिफ हाउस के सामने मार्च निकाला।

तालिबान के विभिन्न गुटों में बंटने से अफगानिस्तान गृह युद्ध की ओर बढ़ रहा है

वाशिंगटन/भाषा

अफगानिस्तान के पूर्व कमांडर ने कहा कि अमेरिकी सेना के दो साल पहले अचानक काबुल छोड़ने के बाद देश में गृहयुद्ध की स्थिति पैदा हो रही है। तालिबान अब गुटबाजी से पीड़ित है और यह तेजी से विदेशी आतंकवादियों के लिए एक सुरक्षित पनाहगाह बनता जा रहा है। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल पर वर्ष 2021 में कब्जे के दौरान सेना के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल हिबतुल्लाह अलीजई ने 'पीटीआई-भाषा' से एक साक्षात्कार में कहा था, मेरा मानना है कि अफगानिस्तान में स्थिति बहुत गंभीर और खतरनाक है और यह एक खतरनाक दिशा की तरफ बढ़ रही है। इस स्थिति में अफगानिस्तान में गृह युद्ध या फिर देश विभाजित हो सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि बीते दो वर्षों में इस पर आतंकवादियों का नियंत्रण रहा है और इसका शासन उन्हीं के हाथों में है। अलीजई वर्तमान में अमेरिका में रह रहे हैं और उन्होंने हाल में देश के बाहर अफगानिस्तान के लोगों को एकजुट करने के लिए एक पहल शुरू की है।

अफगानिस्तान की मौजूदा स्थिति पर गहरी निराशा व्यक्त करते हुए पूर्व कमांडर ने अफगानिस्तान और उसके लोगों को अचानक तालिबान के रहम पर छोड़ने के लिए जो बाइडन प्रशासन को दोषी ठहराया। उन्होंने कहा कि तालिबान के शासन में अफगानिस्तान में आतंकी संगठनों की संख्या बढ़ी है।

पूर्व कमांडर ने आरोप लगाया कि अल-शबाब जैसे अफ्रीकी आतंकवादी समूहों ने भी अफगानिस्तान में अपने पैर जमा लिए हैं और अपने आतंकवादियों को प्रशिक्षण देना भी शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा, अफगानिस्तान में ये सब कुछ तालिबान के शासन में हो रहा है। अलीजई ने कहा, यही स्थिति है। अल-कायदा सक्रिय है। दाएश अधिक से अधिक सक्रिय हो रहा है और विभिन्न हिस्सों में तालिबान शासन के खिलाफ कई विरोधी समूहों की घोषणा और स्थापना की जा रही है, जो निश्चित रूप से अफगानिस्तान को एक और गंभीर गृह युद्ध या संभावित विभाजन की ओर ले जाएगा।

एक सवाल के जवाब में अलीजई ने कहा कि तालिबान के तहत अफगानिस्तान आतंकवादियों के लिए पनाहगाह बनता जा रहा है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि उस समय बाइडन प्रशासन ने या खासतौर पर स्वयं बाइडन ने बहुत बड़ी भूल की थी। उनके पास अफगानिस्तान के बारे में अधिक जानकारी जुटाने तथा देश की स्थिति के बारे में थोड़ा और गहराई से जानने का अवसर था। लेकिन यह निर्णय बहुत ही जल्दबाजी में लिया गया और यहां तक कि फैसले के वक्त अफगानिस्तान में मौजूदा स्थिति के बारे में भी नहीं सोचा गया।

'विपक्षी दलों के गठबंधन का एजेंडा सनातन धर्म को खत्म करना'

ग्वालियर (मप्र)/भाषा। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने मंगलवार को कहा कि जिस सनातन धर्म को भारत से मुगल, अंग्रेज एवं पुर्तगाली शासक नहीं मिटा पाए, उसे मिटाने की बात विपक्षी दलों का गठबंधन 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस) वाले कर रहे हैं।

सावंत ने कहा कि इसलिए इस विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का विरोध हर हिंदू को करना चाहिए और इस विपक्षी गठबंधन को इसकी जगह दिखानी चाहिए।

ग्वालियर में भाजपा की जन आर्शीवाद यात्रा में शामिल होने आए सावंत ने प्रेस वार्ता में कहा, विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' पुरानी बोतल में नई शराब जैसा है। केवल संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) का नाम बदला गया है और नाम बदलने से नीति व नीयत नहीं बदलती है। उन्होंने आरोप लगाया, इनका (विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का) एजेंडा सनातन हिंदू धर्म को खत्म करना है। इसका विरोध हिंदू धर्म मानने वाले हर व्यक्ति को करना चाहिए और इस गठबंधन को इनकी जगह दिखाई जानी चाहिए।

द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) नेता उदयनिधि स्टालिन की सनातम धर्म विरोधी टिप्पणी की ओर इशारा करते हुए सावंत ने कहा, जिसने भी सनातन धर्म नष्ट करने वाला बयान दिया है वह लिखित में इसे लेकर लाए थे और बयान ठीक उसी समय सामने आया, जब विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की बैठक मुंबई में हो रही थी। उन्होंने कहा, जिस सनातन धर्म को मुगल, अंग्रेज, डच व पुर्तगाली नहीं मिटा पाए, उसे मिटाने की बात कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' वाले कर रहे हैं। मुझे लगता है कि जल्दी ही लोग उन्हीं को खत्म कर देंगे।

स्कूप, करिश्मा तन्ना एशिया कंटेंट अवार्ड्स व ग्लोबल ओटीटी अवार्ड्स में शीर्ष पुरस्कार के लिए नामित

नई दिल्ली/भाषा

नेटफ्लिक्स के शो 'स्कूप' और इसकी प्रमुख अभिनेत्री करिश्मा तन्ना को एशिया कंटेंट अवार्ड्स और ग्लोबल ओटीटी अवार्ड्स 2023 के लिए नामित किया गया है। आयोजकों ने मंगलवार को इसकी घोषणा की।

आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, एशिया कंटेंट अवार्ड्स और ग्लोबल ओटीटी अवार्ड्स पूरे एशिया में टीवी, ओटीटी और ऑनलाइन मंचों के लिए उत्कृष्ट मनोरंजक सामग्री तैयार करने जैसी उपलब्धियों की सराहना के लिए एक वार्षिक कार्यक्रम है। इसका आयोजन बुसान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल और कोरिया रेडियो प्रोमोशन एसोसिएशन द्वारा किया जाता है।

'स्कूप' ने सर्वश्रेष्ठ एशियाई टीवी सीरीज वर्ग में अपनी जगह बनाई है। वहीं, तन्ना सर्वश्रेष्ठ मुख्य अभिनेत्री की ट्रॉफी के लिए मुकाबला कर रही हैं।

'स्कूप' सीरीज का निर्माण हंसल मेहता और मृणमयी लागू वाइकुल ने बनाया है, जिसे जून में नेटफ्लिक्स पर प्रसारित किया गया था। मेहता के निर्देशन में बने इस शो को समीक्षकों की खूब प्रशंसा मिली थी।

मेहता ने सोशल मीडिया मंच एक्स (पूर्व में टवीटर) पर एक पोस्ट में लिखा, नेटफ्लिक्स पर 'स्कूप' को एसीए और ग्लोबल ओटीटी अवार्ड्स में सर्वश्रेष्ठ एशियाई सीरीज के लिए नामित किया गया है। वहीं सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए करिश्मा तन्ना मुकाबला करेंगी। यह पूरे दल के लिए सम्मान की बात है।

सर्वश्रेष्ठ एशियाई टीवी सीरीज श्रेणी में 'स्कूप' का मुकाबला कजाकिस्तान की 'द ब्लैक यार्ड, दक्षिण कोरिया की 'नॉट अदर्स, थाईलैंड की 'डिलीट' और ताइवान की 'ताइवान क्राइम स्टोरीज' से होगा।

तन्ना के अलावा, दक्षिण कोरिया की अभिनेत्री सॉन्ग हाय-क्यो को 'द ग्लोरी, हॉलीवुड की सल्डाना को 'स्पेशल ऑप्स: लायनेस, सिंगापुर की रेबेका लिम को 'थर्ड रेल' और मलेशियाई अभिनेत्री एमिली चान को 'द पेसेंट' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री की श्रेणी में नामित किया गया है।

सिंघम अगेन की तारीख बदलने के प्रयास में रोहित-अजय देवगन

मुंबई/एजेन्सी

अल्लू अर्जुन की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'पुष्पा 2' की रिलीज डेट अनाउंस हो गई है। अल्लू अर्जुन की फिल्म 15 अगस्त 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। जब से अल्लू अर्जुन की फिल्म की तारीख जारी हुई है, तभी से सिने गलियारों में यह कहा जा रहा था कि अब अजय देवगन और रोहित शेट्टी को अपनी फिल्म सिंघम अगेन की तारीख बदलनी पड़ेगी। गौरतलब है कि रोहित शेट्टी और अजय देवगन ने अपनी ब्लॉकबस्टर फ्रेंचाइजी की अगली फिल्म की प्रदर्शन तिथि दो माह पूर्व ही घोषित कर दी थी। रोहित शेट्टी और उनकी टीम नहीं चाहती कि बॉक्स ऑफिस पर 'पुष्पा 2' और 'सिंघम अगेन' की टक्कर हो। दोनों फिल्में एक ही तारीख को हो रही है रिलीज फिल्म से जुड़े करीबी सोर्स का कहना है कि पुष्पा 2 और सिंघम का सीक्वल दोनों ही ब्लॉकबस्टर साबित होने का दम रखती हैं। अगर अल्लू अर्जुन की तरफ से एक फोन आ जाता तो ऐसी दिक्कत नहीं आती। मेकर्स के लिए टेंशन की बात यह है कि दोनों फिल्में एक ही तारीख यानी 15 अगस्त को रिलीज हो रही है, क्योंकि उस दिन बड़ा हॉलीडे है। जिस दिन फिल्म रिलीज हो रही है उस दिन गुरुवार पड़ रहा है, जिसके चलते उन्हें 4 दिन का वीकेंड मिल रहा है। ऐसे में मेकर्स इस तारीख को छोड़ना नहीं चाहते हैं। रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम अगेन की घोषणा पहले ही हो चुकी थी। अल्लू अर्जुन ने पुष्पा 2 बाद में अनाउंस की। अब बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट की मानें तो अजय देवगन ऐंड कंपनी इस बात से थोड़ा नाखुश है। अजय ईगो के चलते नहीं करेंगे नुकसान

फिल्म से जुड़े सोर्स ने बताया, न तो रोहित शेट्टी और न ही अजय देवगन इतने ईगो वाले हैं कि डेट न बदलें जबकि फिल्म का बिजनस प्रभावित हो सकता है। बेशक वे लोग अल्लू अर्जुन के फैसले से नाराज थे, क्योंकि अल्लू अर्जुन ने बिना सूचना दिए ऐसा कर दिया है। जबकि एक ऐसी फिल्म की डेट अनाउंस हो चुकी थी जो ब्लॉकबस्टर हो सकती है। लेकिन ये लोग पुष्पा की राह का रोड़ा नहीं बनना चाहते। पुष्पा को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहते अजय

सोर्स ने बताया, पुष्पा और सिंघम दोनों हिंदी ब्लॉकबस्टर हो सकती हैं। उनके सेम डेट पर आने का कोई सेंस नहीं बनता। अजय और रोहित ने साथ मिलकर डेट आगे बढ़ाने का फैसला लिया है।

चुनाव रिश्वत केस

केरल की अदालत ने सख्त रुख अपनाया, सुरेंद्रन और अन्य को पेश होने को कहा

तिरुवनंतपुरम/**एजेन्सी**। केरल की एक अदालत ने मंगलवार को चुनावी रिश्वत मामले में आरोपी के रूप में नामित राज्य भाजपा अध्यक्ष के. सुरेंद्रन और अन्य के अदालत में पेश नहीं होने पर नाराजगी जताई।

सुरेंद्रन के अलावा पांच और स्थानीय बीजेपी नेताओं को भी आरोपी के तौर पर शामिल किया गया है। कासरगोड जिला और सत्र अदालत ने कड़ा रुख अपनाते हुए सभी को 21 सितंबर को पेश होने के लिए कहा है। कोर्ट का कहना है कि कोई भी अभी तक पेश नहीं हुआ है और यह स्वीकार्य नहीं है।

मामले की जांच कर रही क्राइम ब्रांच ने इसी साल जनवरी में अपनी चार्जशीट दाखिल की थी। रिपोर्ट के मुताबिक, यह मामला अप्रैल 2021 के विधानसभा चुनावों के दौरान मंजेश्वरम निर्वाचन क्षेत्र से एलडीएफ उम्मीदवार, माकपा नेता वीवी. रमेश द्वारा दायर याचिका पर आधारित है। जब वोटों की गिनती हुई, तो सुरेंद्रन कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ उम्मीदवार के करीब दूसरे स्थान पर रहे, जिन्होंने 745 वोटों के अंतर से चुनाव जीता। याचिकाकर्ता ने भाजपा नेताओं की गिरफ्तारी की मांग की, जिन्होंने चुनाव के दौरान मंजेश्वरम से अपना नामांकन वापस लेने के लिए बसपा उम्मीदवार के. सुंदरा को कथित तौर पर पैसे, मोबाइल दिए और अन्य सुविधाएं देने का वादा किया। सुंदरा ने बाद में आरोप लगाया कि सुरेंद्रन के पक्ष में अपनी उम्मीदवारी वापस लेने के लिए उन्हें पैसे और मोबाइल दिए गए थे। जांच पुलिस टीम ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपी है, जिसमें एससी/एसटी अधिनियम के अलावा अन्य आरोप भी शामिल हैं।

कोझिकोड में निपाह वायरस का अलर्ट'

तिरुवनंतपुरम/एजेन्सी

केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज मंगलवार को कोझिकोड पहुंचीं, जहां कथित तौर पर निपाह वायरस से संक्रमित होने के बाद दो लोगों की मौत हो गई है। राज्य विधानसभा का सत्र चलने के बावजूद मंत्री कोझिकोड पहुंचे। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी, पुणे मौतों के कारणों की जांच कर रहा है और नतीजों का इंतजार है। रिपोर्ट को संबोधित करते हुए, जॉर्ज ने कहा कि कोझिकोड वायरस के लिए अलर्ट पर है और सभी प्रोटोकॉल लागू हैं और आवश्यकता पड़ने पर लागू किए जाएंगे। उन्होंने एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करने से पहले कहा,हम पांच नमूनों के नतीजे आने का इंतजार कर रहे हैं, क्योंकि शुरुआत में जब कोई मौत हुई थी, तो इसे अन्य कारणों से हुई प्राकृतिक मौत के रूप में देखा गया था। लेकिन फिर जल्द ही मृत व्यक्ति के नौ वर्षीय बेटे को बुखार हो गया और एक अन्य को भी बुखार के कारण भर्ती कराया गया है। जब हिस्ट्री खंगाली गई तो अधिकारियों को कुछ संदेह हुआ।

भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह मंगलवार को पटना में अक्षरा स्टूडियो के उद्घाटन समारोह के दौरान।

बेयॉन्से के रेनेसां कॉन्सर्ट में थिरकीं अभिनेत्री माधुरी दीक्षित

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री माधुरी दीक्षित नेने हाल ही में बेयॉन्से के रेनेसां कॉन्सर्ट में शामिल हुईं। अभिनेत्री ने बेयॉन्से के प्रदर्शन पर थिरकते हुए अपनी कुछ तस्वीरें और एक वीडियो इंस्टाग्राम पर साझा की। पहली तस्वीर में उनके पति के साथ एक सेल्फी है और उसके बाद कॉन्सर्ट से गायिका बेयॉन्से की एक झलक है। इंस्टाग्राम पर अपने अनुभव साझा करते हुए माधुरी ने कैप्शन में लिखा, दुनिया को कौन चलाता है? लड़कियों। क्वीन बे हमारी यात्रा का मुख्य आकर्षण थी। हमारे साथ अपना जादू साझा करने के लिए बेयॉन्से को धन्यवाद, इसे संभव बनाने के लिए अंजलीरवाल को धन्यवाद।

जैसे ही माधुरी ने वीडियो साझा किया, प्रशंसकों ने तुरंत प्रतिक्रिया देना शुरू कर दिया। एक शख्स ने लिखा, 'यह बहुत मजेदार है कि उस स्टेडियम में मौजूद लोगों को पता ही नहीं था कि आप भारत में बेयॉन्से से भी बड़ी स्टार हैं। एक अन्य व्यक्ति ने टिप्पणी की, ओएमजी हां, एक स्टेडियम में दो आइकन। एक अन्य यूजर्स ने कहा, एक रानी, एक रानी को देख रही है, मुझे यह पसंद है। इससे पहले, माधुरी ने अपने दोनों बेटों के लिए एक भावनात्मक नोट साझा किया था क्योंकि वे उच्च अध्ययन के लिए घर छोड़ रहे थे। माधुरी दीक्षित ने अपने बेटों के साथ दो तस्वीरें साझा कीं। पहली छवि में, मां और बेटे पोज देते हुए अपनी मुस्कान बिखेर रहे हैं। बेयॉन्से के रेनेसां कॉन्सर्ट में अब तक कई मशहूर हस्तियां शामिल हो चुकी हैं। हॉलीवुड स्टार टिमोथी चालमेट और काइली जेनर को हाल में इस कार्यक्रम में पीडीए में शामिल होते देखा गया, इस कॉन्सर्ट में टॉम हॉलैंड और ज़ेंडाया भी शामिल हुए।

'मीत' में कलाबाजी करते नजर आएंगे अभिनेता आयुष आनंद

मुंबई/एजेन्सी

जी टीवी के शो 'मीत' में राज का किरदार निभा रहे अभिनेता आयुष आनंद आगामी एपिसोड में अपनी कलाबाजी कौशल से दर्शकों को प्रभावित करेंगे। हालांकि आयुष एक मार्शल आर्ट एक्सपर्ट और जिमनास्ट हैं, लेकिन इसे स्क्रीन पर प्रदर्शित करना उनके लिए थोड़ा चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि उन्हें हार्नेस से उल्टा बांध दिया गया था और उन्हें छह इंच के तख्ते के ऊपर अपने हाथों पर चलना था। मीत हुडा की कहानी के इर्द-गिर्द घूमती हुई एक मजबूत महिला जो लैंगिक भूमिकाओं के सामाजिक मानदंडों पर सवाल उठाती है और साबित करती है कि ऐसा कोई काम या जिम्मेदारी नहीं है जो एक महिला नहीं ले सकती है, जिसने दर्शकों को कई मोड़ों के माध्यम से अपनी सीटों से बांधे रखा है। 16 साल की छलांग के बाद दर्शक मीत की बेटी - सुमीत

(आशी सिंह) की कहानी से आकर्षित हो गए हैं, जो अपनी मृत मां के नाम को बरकरार रखने की कोशिश कर रही है। जहां यह शो कुछ दिलचस्प स्टोरी के माध्यम से अपने दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है, वहीं दर्शकों को कुछ हाई-एंड ड्रामा भी देखने को मिल रहा है, क्योंकि शगुन (आम्रपाली गुप्ता) सुमीत और उसके परिवार को लगातार चुनौतियां दे रही है, ताकि श्लोक इससे मुक्त हो सके। उसी के बारे में बात करते हुए आयुष ने कहा, मैं अपना पहला कलाबाजी स्टंट सीक्वेंस करने के लिए रोमांचित था, भले ही हम चिलचिलाती गर्मी में बाहर शूटिंग कर रहे थे। हार्नेस और 6 इंच के तख्ते के साथ यह एक चुनौतीपूर्ण था, लेकिन यह एक आनंददायक अनुभव था। उन्होंने आगे कहा, मेरी जिमनास्टिक कक्षाओं की तुलना में उल्टा चलना कहीं अधिक कठिन था, लेकिन मेरी व्यक्तिगत फिटनेस दिनचर्या ने मुझे तैयार किया। यह पार्क में टहलना नहीं था, लेकिन बुनियादी बातें जानने से मुझे इसे करने में मदद मिली। हमारे निर्देशक ने सुरक्षा को प्राथमिकता दी और स्टंट के दौरान लगातार मेरी जांच की। सारी मेहनत वास्तव में सफल रही।'' जहां आयुष शो में अपना पहला स्टंट सीन करने के बाद बहुत उत्साहित हैं, वहीं दर्शकों के लिए यह देखना दिलचस्प होगा कि सुमीत शगुन द्वारा दी गई सभी चुनौतियों को कैसे पार करते हैं ताकि वह दुनिया को बता सके कि श्लोक ही असली 'वंडर बॉय' है। 'मीत' जी टीवी पर प्रसारित होता है।

8
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | बुधवार | 13-09-2023 /dakshinbharat /dakshinbharat
DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

पर्युषण का उत्तम पर्व मंगलवार को शुरू हो रहा है। पर्युषण पर्व प्रेरणा देने का स्रोत है। आप पहले दिन से ही पर्युषण की साधना में जुड़ जाओ। पर्युषण पर्व सर्व जीवों के प्रति मैत्री के भाव का पर्व है। पर्युषण पर्व संकल्पों का पर्व है। उन्होंने कहा संकल्प में इतनी शक्ति होती है कि वह अंतराय को तोड़ देता है। पर्युषण पर्व के इस अवसर पर 'अभी नहीं तो कभी नहीं' की नीति अपनानी चाहिए। पर्युषण पर्व में साधना करते हुए साधर्मिक की भक्ति करने के शुभ विचार लाना है। श्रावक-श्राविका के कर्तव्यों में ग्यारह वार्षिक, पांच संवत्सरिक और पूरे जीवन के सात कर्तव्य बताए गए हैं।

कवि गोष्ठी सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। जैन कवि संगम तमिलनाडु की मासिक कवि गोष्ठी का आयोजन रविवार को साहुकारपेट के तेरापंथी सभा भवन में किया गया। नव निर्वाचित अध्यक्ष एम.गौतमचंद बोहरा ने सभी का स्वागत किया और बताया कि जैन कवि संगम का राष्ट्रीय अधिवेशन 7 और 8 अक्टूबर को इंदौर में होगा। सर्वप्रथम कवि दिलीप चंचल ने अपनी कविता सुनाई एवं साहित्यकार डॉक्टर दिलीप धींग ने श्रमायाचना पर्व के महत्व पर अपनी प्रस्तुति दी। उपाध्यक्ष केवल कोठारी, मनोहरलाल महक, जयंतीलाल जागरूक, अशोक ख़तंग, अलंकार आच्छा, पमिता खीचा, शोभा चोरारिया, सरिता सरगम, रमेश बोहरा, अनिल मोदी एवं राजेश सुराणा ने सुंदर कविताओं की प्रस्तुति देकर माहौल को मंत्रमुग्ध बना दिया। गोष्ठी का संचालन सुरेश सिंघवी ने किया। कवि गोष्ठी के बाद सभी सदस्यों ने तत्र विराजित साध्वीश्री लावण्याश्रीजी के दर्शनों का लाभ लिया तथा मार्ग दर्शन प्राप्त किया।

पर्युषण का पहला दिन खाद्य संयम दिवस के रूप में मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहुकारपेट के तेरापंथ जैन विद्यालय में आचार्य श्री महाश्रमण जी की शिष्या साध्वीश्री लावण्यश्रीजी सुख सातापूर्वक तेरापंथ जैन विद्यालय साहूकारपेट में विराजमान हैं। सभी चरित्र आत्माओं के पूर्ण सुख साता है पर्युषण पर्व पर भव्य उपस्थिति के साथ तप-जप एवं आध्यात्म की गंगा बह रही है।

केंद्र निर्देशित कार्यक्रम के अनुसार पर्युषण पर्व का प्रथम दिवस- खाद्य संयम दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वंदनीया साध्वी श्री जी द्वारा नमस्कार महामंत्र से हुआ। तत्पश्चात मंगलाचरण हेतु सभा के पदाधिकारी एंव सदस्यों द्वारा गीतिका के माध्यम से सुंदर प्रस्तुति दी गई। तेरापंथ एजुकेशनल एंड मेडिकल ट्रस्ट के चेयरमेन एमजी बोहरा ने सभी का स्वागत किया। संपूर्ण श्रावक समाज एवं संघीय संस्थाओं की ओर से सभा अध्यक्ष उगमराज सांड ने स्वागत स्वर के रूप में अपनी अभिव्यक्ति दी। तत्पश्चात आज के विषय पर साध्वी श्री सिद्धांतश्री जी एवं साध्वी श्री दर्शितप्रभा जी ने खाद्य संयम दिवस पर विशिष्ट जानकारी प्रदान करवाई। साध्वी श्री ने व्यक्तित्व व अस्तित्व के बारे में सुंदर विवेचना प्रस्तुत की पश्चात पट्टालम की महिलाओं ने पर्युषण पर्व कैसे मनाएं इस पर भावपुर्ण गीतिका प्रस्तुत की। सभा के कर्मठ मंत्री अशोक खंतग द्वारा अग्रिम कार्यक्रमों की सूचनाओं के बाद वंदनीया साध्वीश्री द्वारा तपस्याओं के प्रत्याख्यान एवं मंगल पाठ के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

सहयोग — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर के सरकारी वेटरनरी अस्पताल में पर्युषण पर्व के प्रथम दिन एसएसजेएसएम युवक मंडल द्वारा 26 डिजिटल ट्यूबलाइट सैट, 5 स्टेनलेस स्टील वॉश बेसिन, पांच बड़े पंखे दान स्वरूप भेंट किए गए। इस मौके पर इस प्रोजेक्ट के चेयरमैन दिनेश श्रीश्रीमाल, मंडल के अध्यक्ष कल्पेश राठौड़, उपाध्यक्ष राकेश गुंदेशा, मुकेश सियाल आदि उपस्थित थे।

सम्पूर्ण मानव जाति का पर्व है पर्वाधिराज पयूर्षण महापर्व : महासती धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां मंगलवार को साहुकारपेट के एसएस जैन भवन के मरुधर केसरी दरबार में साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने अष्ट दिवसीय पर्युषण पर्व के पहले दिन धर्माराधना करने वाले सैंकड़ों श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि सभी पर्वों का राजा पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व है। उन्होंने कहा कि आत्मा पर कर्म रूपी मैल एवं अपने आपसी रंजिशों, मतभेदों और राग द्वेष को भुलाने के साथ मन में पड़ी उन गांठों को खोलने का पर्व है यह पर्यूषण महापर्व। पर्युषण आत्म जागरण का संदेश देता है और हमारी सोई हुई आत्मा को जगाने साथ आत्मा द्वारा आत्मा को पहचानने की शक्ति प्रदान करता है।

पयूर्षण जैनियों का पर्व नहीं सम्पूर्ण मानव जाति पर्व है जिसमें आत्मा की उपासना करके कर्मो कि निर्जरा की जाती है। पयूर्षण में जो मनुष्य श्रद्धा भाव और मैत्री के साथ मन वचन से पयुर्षण की आराधना करता वह व्यक्ति अपनी आत्मा को सर्वश्रेष्ठ बनाकर इस आत्मा को मोक्ष दिला सकता है। साध्वी स्नेहप्रभा ने अतंगडदशा सूत्र का वांचना करते हुए कहा कि परमात्मा की वाणी में राग द्वेष नहीं होता है वीतराग वाणी हमारे अंतर आत्मा को जाग्रत करती है, और हमें समस्त दुखों से छुटाकारा दिलाने एवं हमारी आत्मा पर जमे मेल को हटाने का प्राणियों को सदमार्ग दिखाती है। धर्मसभा संचालन संघ के महामंत्री सज्जनराज सुराणा द्वारा किया गया।

संपूर्ण जैन समाज का महाकुंभ पर्व है पर्युषण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री सुमतिवल्लभ नोर्थटाउन श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ में विराजमान आचार्य श्री देवेंद्रसागरसूरीश्वरजी ने पर्युषण पर्व की महत्ता के ऊपर प्रकाश डालते हुए कहा की भारत पर्वों और त्योहारों का देश है। उनमें न केवल भौतिक आकर्षण से पर्व है बल्कि आत्म साधना और त्याग से जुड़े पर्व भी हैं। एक ऐसा ही अनूठा पर्व है पर्युषण महापर्व। यह मात्र जैनों का पर्व नहीं है, यह एक सार्वभौम पर्व है, मानव मात्र का पर्व है।

पूरे विश्व के लिए यह एक उत्तम और उत्कृष्ट पर्व है, क्योंकि इसमें आत्मा की उपासना की जाती है। आचार्य श्री ने आगे कहा की संपूर्ण संसार में यही एक ऐसा उत्सव या पर्व है जिसमें आत्मरत होकर व्यक्ति आत्मार्थी बनता है व अलौकिक, आध्यात्मिक आनंद के शिखर पर आरोहण करता हुआ मोक्षगामी होने का सद्प्रयास करता है। पर्युषण पर्व अंतरआत्मा की आराधना का पर्व है, आत्मशोधन का पर्व है, निद्रा त्यागने का पर्व है। सचमुच में पर्युषण पर्व एक ऐसा सवेरा है, जो निद्रा से उठाकर जागृत अवस्था में ले जाता है। अज्ञानरूपी अंधकार से ज्ञानरूपी प्रकाश की ओर ले जाता है। तो जरूरी है प्रमादरूपी नींद को हटाकर इन 8 दिनों विशेष तप, जप, स्वाध्याय की आराधना करते हुए अपने आपको सुवासित करते हुए अंतरआत्मा में लीन हो जाएं जिससे हमारा जीवन सार्थक व सफल हो पाएगा। आज पूरे विश्व को सबसे ज्यादा जरूरत है अहिंसा की, मैत्री की। यह पर्व अहिंसा और मैत्री का पर्व है। अहिंसा और मैत्री के द्वारा ही शांति मिल सकती है। आज जो हिंसा, आतंक, आपसी द्वेष, नक्सलवाद, भ्रष्टाचार जैसी ज्वलंत समस्याएं न केवल देश के लिए, बल्कि दुनिया के लिए चिंता का बड़ा कारण बनी हुई हैं और सभी कोई इन समस्याओं का समाधान चाहते हैं, उन लोगों के लिए पर्युषण पर्व एक प्रेरणा है, पाथेय है, मार्गदर्शन है और अहिंसक जीवनशैली का प्रयोग है। अंत में मुनि श्री महापद्मसागर जी ने कहा की आज भौतिकता की चकाचौंध में, भागती जिंदगी की अंधी दौड़ में इस पर्व की प्रासंगिकता बनाए रखना ज्यादा जरूरी है। इसके लिए जैन समाज संवेदनशील बने, विशेषत: युवा पीढ़ी पर्युषण पर्व की मूल्यवत्ता से परिचित हो और वे सामायिक, मौन, जप, ध्यान, स्वाध्याय, आहार संयम, इन्द्रिय निग्रह, जीवदया आदि के माध्यम से आत्मचेतना को जगाने वाले इन दुर्लभ क्षणों से स्वयं लाभान्वित हो और जन-जन के सम्मुख एक आदर्श प्रस्तुत करे।

पर्युषण महापर्व की शुरुआत बड़े ही ठाट से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां वेपेरी जैन संघ में विराजमान आचार्यश्री विजय विज्ञानप्रभसूरीश्वरजी म. की और अन्य साधु भगवंत एवं सभी तपस्वियों के पारणे गुरुदेव कि निश्रा में बड़े ही ठाट से एवं सुखसाता पूर्वक होने के बाद अब पर्व पर्युषण की शुरुआत बड़े ही ठाट से हुई। अष्टानिका प्रवचन में गुरुदेव ने कहा कि कुल मिलाकर छह अठाई होती है और तीन चौमासे होते है। अमारी यानी सिर्फ जीवों को छुड़ाना ही नहीं, बल्कि पानी छान के ही बर्ताव में लाना, मार जैसे शब्दों का प्रयोग नहीं करना, किसी को दुख नही पहुंचे वगैरह का पालन करना चाहिए, मंदिरों में उत्सव मनाने चाहिए।

आरंभ, समारंभ नही करने चाहिए जैसे कपड़े धोना, अनाज पिसाना, ब्रह्मचर्य का पालन करना इत्यादि का नियम रखना चाहिए। पर्व के दिनों में आयुष्य कर्म का बंधन होता है और अगर आपका आयुष्य कर्म पर्व के दिनों में बंध जाए तो आपका भव सुधर जाए आप भटकोगे नहीं। इसलिए पौषध करिए, नहीं तो प्रभु की भक्ति करिए, आंगी रचना करिए, कोई भी धर्म करते ही जाईये, क्योंकि आप अगर चित्र भी बनाते हो और उसमें जब तक रंग नहीं भरोगे और आउट लाइन नहीं दोगे तब तक वो चित्र अधूरा रहेगा। वैसे ही जीवन की रूपरेखा को भी जरूर संवारना चाहिए। सभी पर्युषण पर्व बड़े ही ठाट से मनाईये।

स्वयं का मूल्यांकन और निरीक्षण करना पर्युषण महापर्व

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहुकारपेट के राजेन्द्र भवन में मुनिश्री वैभवरत्नविजयजी म. सा. के अपने प्रवचन में कहा कि स्वयं की चेतना का मूल्यांकन और निरीक्षण करना वह है पर्युषण महापर्व। जो हमारे मन में रहे दूषण, दोषों, पापों का नाश करें वह है पर्यूषण। ज्ञानी भगवंतों ने साधना, परम त्याग किया इसीलिए महा ज्ञानी बने। यह मानव भाव छोटा है लेकिन बलवान है, क्षणिक है लेकिन परम मूल्यवान है। पर्युषण पर्व सिर्फ कथा सुनने के लिए नहीं है किंतु मोरल तैयार करने के लिए ही है। धर्म जब आत्मा में प्रकट होता है तब साधक को विराट अस्तित्व में स्थान मिलता ही है। ज्ञानी भगवंत कहते हैं कि जीवों की सुरक्षा करना यानी हमारे भीतर में जो करूणा भाव है इसे जागृत करना, सक्रिय करना और सिद्धि करना। जीवों को दुख, पीड़ा, कष्ट नहीं देने के भाव (परिणाम) वो अमारी प्रवर्तना। अमारी की पालना करना यानि परमात्मा को प्रतिपल महसूस करना, साक्षात्कार करना।

श्रमण जीवन में छोटा भी या बड़े से बड़ा दुख परमात्मा का परम आशीर्वाद है इसलिए पूर्व के अनंत काल के दुखों का नाश इस भव के श्रमण जीवन के छोटे से दुखों से होता ही है। परमात्मा के वचनों से जो मानव शुद्ध आराधना करें और स्वयं की आत्मा को परमात्मा तुल्य बनाएं वह जीवन, साधक महान है। यदि हमारे मन का, विचारों का, स्वभाव का मूलभूत परिवर्तन हो तो ही जीवन धन्य है। यदि केवल ज्ञानी के वचनों के बहुमन भाव से साधना करेंगे तो हमारे भीतर में केवल ज्ञान का अंश सम्यक् ज्ञान प्रकट होगा।

जैनत्व को प्राप्त करने के लिए पुरुषार्थ करना होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम में चातुर्मासाथ विराजित साध्वीश्री चैतन्यश्रीजी महाराज साहब ने अपने प्रवचन में बताया कि आज पर्वाधिराज पर्युषण पर्व का पर्दापण हो चुका है आत्मा के लिए यह पर्व आया है। पर्व दो प्रकार के होते हैं एक भौतिक पर्व और एक आध्यात्मिक पर्व । भौतिक पर्व खान पान एवं वेशभूषा के लिए आते हैं और आध्यात्मिक पर्व आत्मा को परमात्मा बनाने के लिए आगमन होता है। आज तक आप सब दुनिया से बात की पर आज आत्मा से आपको बात करनी है हम जैन हैं यह शब्द सिर्फ होटो पर नहीं दिल में भी उतरना होगा जैन जैन कहने से कोई जैनत्व को प्राप्त नहीं कर सकता है। जैनत्व को प्राप्त करने के लिए पुरुषार्थ करना होगा। इन आठ दिनों में संसार की भावना को हटाकर संतोष की भावना को लाना है एक अगर संतोष की भावना आ जाएगी तो इन आठ दिनों में 11 अंग में से आठवां अंग अंतगढदसा सूत्र का वांचन आपके हृदय में उतर जाएगा।

हमें प्रतिक्रमण करना है क्योंकि यह हिंसा का युग है और हम रोज कोई ना कोई हिंसा अवश्य करते हैं कोई भाव हिंसा करता है तो कोई शब्दों से हिंसा करता है लेकिन हिंसा हमारे जीवन का अभिन्न अंग बन चुका है तो हम प्रतिक्रमण करने से पापों से हमें प्रायश्चित ले सकते हैं। परदेसी राजा जो एक हिंसक राजा था और उसके हाथ खून से भरे रहते थे। उनके मन में शंका थी की आत्मा है या नहीं है और इसलिए वह घोर अत्याचार करता था लेकिन जब वह केसीश्रमण के सानिध्य में आया उसे जागृति मिली और वह एक दृढ़ श्रावक बन गया। यह युग स्वार्थ का है लेकिन हमें साधार्मिक भक्ति करनी है। आप को भी तपस्या करनी है औरों को भी प्रेरित हैं करना है। आज की धर्म सभा में अनेक तपस्यार्थियों ने प्रत्याखयान ग्रहण किये तथा आस-पास के अनेक क्षेत्रों से श्रद्धालु उपस्थित थे यह जानकारी पुरुषवाक्कम संघ के अध्यक्ष विनयचन्द पावेचा ने दी।

पर्यूषण पर्व समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां वेपेरी के गुरु श्री शांति विजय जैन विद्यालय में सोमवार को पर्यूषण पर्व के आगमन पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर खरतरगच्छाधिपति गुरुदेव जिनमणिप्रभसुरीश्वर जी म. सा. व अन्य साधु-साध्वियों का सान्निध्य व आशीर्वाद मिला। कार्यक्रम का आरंभ विद्यालय की प्रार्थना के साथ हुआ। अध्यक्ष डॉ. गौतम वैद ने आचार्य प्रवर के बारे में बताते हुए स्वागत भाषण दिया। मोनिका जैन ने पर्यूषण पर्व के महत्त्व को बताते हुए विद्यालय में हो रही धार्मिक गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया और कहा कि यहाँ पर मानसिक, शारीरिक ,बौद्धिक विकास के साथ-साथ बच्चों का चारित्र निर्माण भी किया जाता है। रेखा जी. ने विद्यालय में हुई भक्तामर स्त्रोत की प्रतियोगिता के बारे में बताया। साथ ही में इस प्रतियोगिता में विजयी हुए छात्र-छात्राओं को पुरस्कार भी वितरित किये गए। मुनिश्री मलय कुमार जी ने गुरु और माता-पिता की महिमा बताते हुए कहा कि हमें घर से जो संस्कार मिलते हैं उनका पोषण विद्यालय में ही होता है। गुरुदेव जिनमणिप्रभसुरीश्वर जी म. सा. ने एक लघु कथा के माध्यम से सच्चे मित्र की पहचान बताई। साथ यह भी बताया कि जैसा हमारा मित्र होगा वैसा ही हमारा आचरण होगा । विद्यालय की पढ़ाई को कभी भी भूलना नहीं चाहिए क्योंकि यहीं पर जीवन निर्माण की नींव रखी जाती है। स्कूल के संवाददाता व सचिव डॉ.ज्ञान जैन ने धन्यवाद ज्ञापन देते हुए कहा कि जीवन में कभी भी किसी भी परिस्थिति में सच्चाई का साथ कभी नहीं छोड़ना चाहिए। कार्यक्रम का समापन मंगल पाठ के साथ हुआ।

पर्यावरण रक्षा का संदेश देता है पर्युषण : डॉ. दिलीप धींग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शसुन जैन कॉलेज में जैनविद्या विभाग के शोध-प्रमुख साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग ने कहा कि पर्युषण में अहिंसा, संयम और तप की विशेष आराधना के माध्यम से पर्यावरण की रक्षा का संदेश दिया जाता है। श्री स्थानकवासी जैन स्वाध्याय संघ, तमिलनाडु की ओर से केएलपी अभिनंदन अपार्टमेंट में आयोजित पर्युषण व्याख्यानमाला के प्रथम दिन धवल सामायिक वेश में डॉ. धींग ने कहा कि पर्युषण पर्व के दौरान आहार संयम और साधनों के सीमित उपयोग का अभ्यास किया जाता है। जलवायु परिवर्तन को थामने के लिए आज ऐसी ही संयमित जीवन शैली की जरूरत है। खचाखच भरे सभागार में उन्होंने कहा कि जीवदया और शाकाहार प्रचार के कार्य पर्यावरण रक्षा और मानवता की सेवा के कार्य हैं।

पर्युषण में प्राकृत भाषा के आगम के वाचन और श्रवण की परंपरा का महत्व बताते हुए कवि डॉ. धींग ने कहा कि श्रेष्ठ परंपराओं एवं परंपरा की श्रेष्ठताओं का पालन होना चाहिये। ऑफलाइन (प्रत्यक्ष) व्याख्यान और सामूहिक आराधना का प्रभाव गहरा व स्थायी होता है। युवा स्वाध्यायी प्रणत धींग ने डॉ. धींग की कविता 'कम खाना, गम खाना, नम जाना' सुनाई तो सभा हर्ष हर्ष जय जय से गूंज उठी।

पर्युषण पर्व संकल्पों का पर्व : उदयप्रभ सूरीश्वरजी

चेन्नई। यहां किलपॉक जैन संघ में विराजित योगनिष्ठ आचार्य केशरसूरी समुदाय के वर्तमान गच्छाधिपति आचार्यश्री उदयप्रभ सूरीश्वरजी ने कहा पर्युषण का उत्तम पर्व मंगलवार को शुरू हो रहा है। पर्युषण पर्व प्रेरणा देने का स्रोत है। आप पहले दिन से ही पर्युषण की साधना में जुड़ जाओ। पर्युषण पर्व सर्व जीवों के प्रति मैत्री के भाव का पर्व है। पर्युषण पर्व संकल्पों का पर्व है। उन्होंने कहा संकल्प में इतनी शक्ति होती है कि वह अंतराय को तोड़ देता है। पर्युषण पर्व के इस अवसर पर 'अभी नहीं तो कभी नहीं' की नीति अपनानी चाहिए।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.